दैनिक
सनातन वीर
Reg. No. MPHIN/25A3002
राष्ट्रहित, धर्मरक्षा जनसेवा को समर्पित
नगर संस्करण | इंदौर, गुरुवार, 14 मई 2026 | वर्ष : 01, अंक : 158, कीमत : 03 रुपए, पृष्ठ : 8

'वैश्विक तनाव चरम पर'

ट्रम्प 8 साल बाद चीन दौरे पर मगर चीन का कोई हस्तछेप नहीं

वॉशिंगटन डीसी/बीजिंग ● एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प बुधवार को 8 साल बाद चीन दौरे पर पहुंचे। उनका विमान बीजिंग कैपिटल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड किया, जहां चीनी उपराष्ट्रपति हान जेंग ने उन्हें रिसीव किया। हान जेंग को शी जिनपिंग का भरोसेमंद माना जाता है और वे पिछले साल ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल हुए थे। ट्रम्प के एयर फोर्स वन से उतरते समय करीब 300 बच्चे नीले और सफेद रंग की यूनिफॉर्म में एयरपोर्ट पर मौजूद थे। ये अमेरिका और चीन के झंडे लहरा रहे थे। ट्रम्प के साथ उनके बेटे एरिक ट्रम्प और बहू लारा ट्रम्प भी मौजूद थे।

इस दौरान बच्चों ने मंदारिन भाषा में 'वेलकम' के नारे लगाए। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ट्रम्प के बीच गुरुवार और शुक्रवार को अलग-अलग दौर की बातचीत होगी। दोनों नेताओं के बीच व्यापार, ताइवान, रेयर अर्थ मिनरल्स, AI और ईरान युद्ध जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। ट्रम्प 15 मई तक बीजिंग में रहेंगे। यह 2017 के बाद उनका पहला चीन दौरा है।

ट्रम्प के साथ इलॉन मस्क, एप्पल CEO टिम कुक और बोइंग CEO समेत 17 बड़े अमेरिकी कारोबारी भी गए हैं। हालांकि चिप कंपनी एनवीडिया के CEO जेनसन हुआंग इस दौरे में शामिल नहीं होंगे।

इस दौरे में 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की बोइंग विमान डील हो सकती है। चीन 500 बोइंग 737 MAX, 100 बोइंग 787 ड्रीमलाइन और कई 777X वाइडबॉडी विमान खरीद सकता है। अगर करार हुआ तो यह इतिहास का सबसे बड़ा विमान सौदा होगा।

पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने कहा था कि मुझे नहीं लगता कि हमें ईरान के मामले में किसी मदद की जरूरत है। अमेरिका यह युद्ध किसी भी तरह जीत जाएगा। जब ट्रम्प से पूछा गया कि क्या अमेरिका में लोगों की आर्थिक परेशानियां उनके फैसलों को प्रभावित कर रही हैं, तो उन्होंने कहा, मैं अमेरिकियों की आर्थिक स्थिति के बारे में नहीं सोचता। मैं सिर्फ एक बात सोचता हूं, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए।

नेतन्याहू की यात्रा : रोरिंग लायन के बीच बड़ी सुरक्षा डील

यरूशलम/अबू धाबी ● एजेंसी

इस्राइल और संयुक्त अरब अमीरात के बीच एक कथित 'सीक्रेट मीटिंग' को लेकर कूटनीतिक घमासान छिड़ गया है। इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने दावा किया है कि पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' के दौरान गुप्त रूप से यूएई का दौरा कर राष्ट्रपति अल नाहयान से मुलाकात की है। जहां इस्राइल इसे एक बड़ी सुरक्षा डील और ऐतिहासिक सफलता बता रहा है, वहीं यूएई ने इन दावों को पूरी तरह मनगढ़ंत और निराधार बताते हुए खारिज कर दिया है।

इस गुप्त दौरे की जानकारी सबसे पहले बुधवार देर रात इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान से मिली। इसके तुरंत बाद, प्रधानमंत्री के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से दावा किया गया कि इस यात्रा ने दोनों देशों के बीच संबंधों का एक नया अध्याय खोल दिया है।

यूएई ने किया खंडन- इस बीच संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रालय ने इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय के उन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें बेंजामिन नेतन्याहू की राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ कथित गोपनीय मुलाकात की बात कही गई थी। यूएई ने एक आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि इस्राइल के साथ उसके संबंध 'अब्राहम समझौते' के तहत पूरी तरह पारदर्शी हैं और गुप्त यात्रा या सैन्य सहयोग से जुड़ी ऐसी खबरें पूरी तरह निराधार और तथ्यों से परे हैं। यूएई के इस बयान के बाद सवाल उठ रहे हैं कि क्या सच में दोनों नेताओं की मुलाकात हुई है?

अब्राहम अकॉर्ड्स से आगे बढ़ती साझेदारी- पिछले कुछ वर्षों में यूएई, इस्राइल के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय साझेदार के रूप में उभरा है। अब्राहम अकॉर्ड्स के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार, तकनीक, पर्यटन और खुफिया जानकारी साझा करने का दायरा बढ़ा है। लेकिन नेतन्याहू की इस ताजा गुप्त यात्रा से संकेत मिलते हैं कि अब बातचीत सामान्य राजनयिक संबंधों से कहीं आगे निकल चुकी है।

पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील की थी

प्रधानमंत्री मोदी काफिला छोड़ दो गाड़ियों के साथ निकले

शाह-नड्डा ने भी काफिले में गाड़ियां कम कीं

नई दिल्ली ● एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को काफिला छोड़ सिर्फ 2 गाड़ियों के साथ निकले। आमतौर पर पीएम के काफिले में 12 से 15 गाड़ियां रहती हैं। अब एक गाड़ी में पीएम जबकि दूसरी गाड़ी में SPG और सुरक्षा कर्मी मौजूद रहेंगे। पीएम जनता से लगातार पेट्रोल-डीजल का कम इस्तेमाल करने की अपील कर रहे हैं। इसको लेकर गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने भी अपने काफिले की गाड़ियां कम कर दीं है।

राजस्थानः सीएम भजनलाल के काफिले में अब 5 गाड़ियां- जयपुर में एयरपोर्ट जाते समय सीएम भजनलाल के साथ 5 गाड़ियां नजर आईं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या घटाने का आदेश दिया। पहले काफिले में 14-16 गाड़ियां रहती थीं, लेकिन बुधवार को दिल्ली दौरे के दौरान उनके साथ सिर्फ 5 गाड़ियां ही चलीं।

बिहारः CM सम्राट चौधरी इलेक्ट्रिक गाड़ी से सचिवालय पहुंचे- बिहार के CM सम्राट चौधरी बुधवार को कैबिनेट बैठक के लिए इलेक्ट्रिक गाड़ी से सचिवालय पहुंचे। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सीएम की गाड़ी के पीछे पेट्रोल-डीजल वाली करीब 20 गाड़ियों का काफिला था। वहीं अब कई मंत्री सिर्फ एक या दो गाड़ियों में ही कार्यक्रमों और बैठकों में पहुंच रहे हैं।

मध्य प्रदेशः VIP काफिलों पर ब्रेक, CM ने गाड़ियां घटाईं- मध्य प्रदेश में अब मंत्रियों और वीआईपी काफिलों में गाड़ियों की संख्या सीमित की जाएगी। साथ ही सरकारी दौरों और भ्रमण के दौरान रैलियों पर भी रोक रहेगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव को Z+ कैटेगरी की सिक्योरिटी मिली है। इस वजह से उनके काफिले में अब तक कुल 13 वाहन शामिल रहते थे। नए आदेश के बाद भोपाल में स्थानीय दौरे के दौरान मुख्यमंत्री के काफिले में अब सिर्फ 8 वाहन शामिल होंगे।

मप्र में शिक्षकों को TET पास करना ही होगा

सुप्रीम कोर्ट बोला- बिना परीक्षा कोई शिक्षक नहीं बन सकता, जो छूट मिलनी थी, मिल चुकी

भोपाल ● एजेंसी

मध्य प्रदेश में शिक्षकों की पात्रता परीक्षा (TET) को लेकर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पात्रता परीक्षा में जो भी छूट दी जानी थी, वह पहले ही दी जा चुकी है। ऐसे में अब होने वाली किसी भी भर्ती में पात्रता परीक्षा पास किए बिना कोई भी शिक्षक नियुक्त नहीं किया जा सकता।

पुनर्विचार याचिका राज्य सरकार के साथ मध्य प्रदेश और देशभर के अन्य राज्यों के शिक्षा संगठनों की ओर से दायर की गई थी। याचिकाओं में 1998 से 2009 के बीच नियुक्त शिक्षकों को परीक्षा से छूट देने की मांग की गई थी।

पांच साल की छूट पहले ही दी जा चुकी- हालांकि सुनवाई के दौरान अदालत ने स्पष्ट कहा कि वर्ष 2017 में नियम लागू होने के बाद पांच साल की छूट पहले ही दी जा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) द्वारा तय किए गए नियमों का पालन सभी राज्यों और शिक्षकों को करना होगा।

सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज और अधिवक्ताओं की ओर से विभिन्न दलीलें पेश की गईं, लेकिन फिलहाल शिक्षकों को राहत मिलने की संभावना कम नजर आ रही है। हालांकि, 70 से अधिक याचिकाओं पर बुधवार शाम तक सुनवाई जारी रही। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

कोर्ट का रुख सकारात्मक नहीं लगा- शिक्षक संघ- जनजातीय कल्याण शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डीके सिंगौर ने कहा- हमारे संगठन ने भी एक याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान वह खुद मौजूद थे। अधिवक्ताओं के मजबूत तर्कों के बावजूद कोर्ट का रुख सकारात्मक नहीं लगा।

दरअसल, यह मामला सुप्रीम कोर्ट के 1 सितंबर 2025 के उस आदेश से जुड़ा है, जिसके बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने वर्ष 1998 से 2009 के बीच बिना टीईटी नियुक्त हुए शिक्षकों के लिए पात्रता परीक्षा अनिवार्य करने के निर्देश जारी किए थे। ये नियुक्तियां राज्य सरकार की मेरिट प्रक्रिया के तहत हुई थीं। मध्य प्रदेश में ऐसे शिक्षकों की संख्या करीब डेढ़ लाख बताई जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में साफ कहा था कि यदि कोई शिक्षक पात्रता परीक्षा पास नहीं करता है, तो उसकी सेवा समाप्त की जा सकती है। इसके बाद लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा आदेश जारी होने पर प्रदेशभर के शिक्षक संगठनों ने इसका विरोध शुरू कर दिया था।

शिक्षक संगठनों ने फैसले के खिलाफ आंदोलन भी किया। उन्होंने मुख्यमंत्री, स्कूल शिक्षा मंत्री और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट से आदेश पर पुनर्विचार की मांग की। पिछले महीने मध्य प्रदेश सरकार, शासकीय शिक्षक संगठन, राज्य कर्मचारी संघ और कई शिक्षा संगठनों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर की गई थी।

क्या है TET परीक्षा- टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (TET) एक राष्ट्रीय स्तर की पात्रता परीक्षा है। यह तय करती है कि कोई अभ्यर्थी कक्षा 1 से 8 तक पढ़ाने के लिए योग्य है या नहीं। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) ने वर्ष 2010 में इस परीक्षा को अनिवार्य किया था।

भारत की बिना मंजूरी पद्मा नदी पर बैराज बनाएगा बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश ने बुधवार को पद्मा नदी पर एक बड़ी बांध निर्माण परियोजना को मंजूरी दी। बांग्लादेश का कहना है कि इससे भारत के फरक्का बांध के 'नकारात्मक प्रभाव' को कम करने में मदद मिलेगी।

यह घटनाक्रम 1996 की भारत-बांग्लादेश गंगा जल बंटवारा संधि की अवधि दिसंबर में समाप्त होने से कुछ महीने पहले सामने आया है। भारत में पद्मा नदी को गंगा कहा जाता है। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान की अध्यक्षता वाली 'ईसीएनईसी' (राष्ट्रीय आर्थिक परिषद कार्यकारी समिति) ने परियोजना के पहले चरण को मंजूरी दी। इसकी अनुमानित लागत 34,497.25 करोड़ टका है। जल संसाधन मंत्री शाहिदुद्दीन चौधरी अनी ने पत्रकारों को बताया कि इस परियोजना का एक प्रमुख उद्देश्य बांग्लादेश की ओर पानी का भंडारण कर गंगा पर फरक्का बैराज के प्रभाव को कम करना है।

'फर्जी कंपनियों में काम कर रहे स्टूडेंट'

आईसीई का खुलासा, अब अमेरिका के निशाने पर ओपीटी प्रोग्राम

भोपाल ● एजेंसी

अमेरिका में लंबे वक्त से सरकार के निशाने पर 'ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग' (OPT) प्रोग्राम एक बार फिर से निशाने पर हैं। 'इमिग्रेशन एंड कस्टम एंफोर्समेंट' (ICE) ने OPT के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। ICE डायरेक्टर टॉड एम लियोन्स ने OPT प्रोग्राम को 'फर्जीवाड़े का चुंबक' बताया है। उन्होंने कहा कि एजेंसी को करीब 10 हजार विदेशी छात्रों के बारे में पता चला है, जो अनियमितताओं के बावजूद OPT पर जॉब कर रहे हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि इसमें भारतीय छात्र भी शामिल हो सकते हैं, क्योंकि वे OPT पर बड़ी संख्या में जॉब करते हैं।

ICE डायरेक्टर ने कहा कि बुश सरकार में OPT प्रोग्राम बनाया गया था और फिर ओबामा सरकार के तहत इसका विस्तार किया गया। उस समय डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (DHS) ने अनुमान लगाया था कि अपने देश लौटने से पहले सिर्फ कुछ हजार विदेशी छात्र ही OPT पर होंगे। टॉड लियोन्स ने कहा कि लेकिन जैसा उम्मीद की गई थी, उसकी जगह OPT एक ऐसी व्यवस्था बन गया, जिसके तहत हजारों विदेशी छात्र अमेरिका में जॉब करने लग गए। ये विदेशी वर्कर्स की एक पाइपलाइन बन गई, जिस पर किसी का कंट्रोल नहीं रहा है।

अमेरिका में पढ़ाई करने वाले विदेशी छात्रों को ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (OPT) पर ग्रेजुएशन के बाद 12 महीने जॉब करने की इजाजत होती है। इसी तरह से जो स्टूडेंट्स 'साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स' (STEM) की पढ़ाई करते हैं, उन्हें STEM-OPT के तहत 2 साल का एक्सटेंशन भी दिया जाता है। इस तरह विदेशी छात्र अमेरिका में 3 साल जॉब कर सकता है। कुछ स्टूडेंट्स इस अवधि में H-1B वीजा भी पा जाते हैं, जिससे उनके लिए अमेरिका में काम करना आसान हो जाता है। कुछ ऐसे भी स्टूडेंट हैं, जिन्होंने OPT पर जॉब करते हुए ग्रीन कार्ड तक का सफर तय किया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ICE डायरेक्टर ने कहा, 'जैसे-जैसे प्रोग्राम का दायरा बढ़ा है, वैसे-वैसे फर्जीवाड़े में भी बढ़ोतरी हुई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान हमने हजारों विदेशी छात्रों का पर्दाफाश किया, जो ऐसी कंपनियों में जॉब कर रह थे, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं था। उनके जरिए DHS को गलत जानकारी दी गई थी। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में तो ये फर्जीवाड़ा और भी ज्यादा बढ़ गया।'

स्वच्छ सर्वेक्षण से पहले एक्शन में महापौर, सड़क पर उतरकर अधिकारियों को लगाई फटकार

रेड स्पॉट पर सख्ती, अधूरे काम पर लगाई फटकार

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में स्वच्छ सर्वेक्षण से पहले महापौर पुष्यमित्र भार्गव एक्शन मोड में नजर आए। बिना किसी पूर्व सूचना के उन्होंने विधानसभा-4 क्षेत्र में साफ-सफाई और विकास कार्यों का औचक निरीक्षण किया। जहां अव्यवस्थाएं मिलीं, वहां अधिकारियों को फटकार लगाई और रेड स्पॉट खत्म नहीं होने पर चालानी कार्रवाई के निर्देश दिए। महापौर के अचानक मैदान में उतरने से संबंधित विभागों में हड़कंप मच गया।

महापौर लोधीपुरा इलाके में पहुंचे, जहां सड़क पर फैले निर्माण मलबे और लंबे समय से अधूरे पड़े डेवलपमेंट कार्यों को देखकर उन्होंने जोनल अधिकारी और सीएसआई को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिए कि सीएंडडी वेस्ट का तत्काल निष्पादन किया जाए और सभी लंबित काम तय समय सीमा में पूरे हों।

तरण पुष्कर पहुंचकर तैराकों से की चर्चा

इसके बाद महापौर तरण पुष्कर पहुंचे। गर्मी के मौसम में बड़ी संख्या में लोग यहां तैराकी के लिए आते हैं। महापौर ने युवाओं और तैराकों से बातचीत कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और समस्याएं सुनीं। तैराकों ने शुल्क व्यवस्था को लेकर सुझाव दिए, जिस पर महापौर ने कहा कि पूल के रखरखाव, जल शुद्धिकरण और अन्य सुविधाओं पर लगातार खर्च होता है। हालांकि लोगों की सुविधा को देखते हुए छह महीने की अनिवार्यता खत्म कर तीन-तीन महीने में शुल्क जमा करने की व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं। कर्मचारियों को भी लोगों को बेहतर सुविधा देने के निर्देश दिए गए।

सब्जी मंडी में लोगों से बोले- घर से झोला लेकर आएं

महापौर ने राजमोहल्ला और इतवारिया बाजार स्थित सब्जी मंडियों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने व्यापारियों और लोगों से साफ-सफाई बनाए रखने की अपील करते हुए प्लास्टिक का उपयोग कम करने और कपड़े या जूट के झोले का इस्तेमाल करने की सलाह दी।

महापौर ने कहा कि स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे शहर की सामूहिक जिम्मेदारी है। रेड स्पॉट मुक्त और प्लास्टिक मुक्त इंदौर के लिए जनता, व्यापारी और प्रशासन सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए ऐसे औचक निरीक्षण लगातार जारी रहेंगे।

औचक निरीक्षण जारी रहेंगे

दुकानों के बाहर गुटखा और तंबाकू थूकने से बने रेड स्पॉट पर महापौर ने सख्त नाराजगी जताई। उन्होंने दुकानदारों को साफ कहा कि दुकानों के सामने किसी भी हालत में रेड स्पॉट नहीं बनने चाहिए। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सहयोग नहीं मिलने पर चालानी कार्रवाई की जाए। महापौर ने मुकेरीपुरा इलाके का भी दौरा कर साफ-सफाई, ट्रैफिक और जनसुविधाओं की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को जरुरी दिशा-निर्देश दिए।

उद्यान विभाग के 26 कर्मचारियों की सेवा समाप्त

इंदौर के उद्यान विभाग के 26 मस्टर श्रमिकों पर कड़ी कार्रवाई की गई है। नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने इन कर्मचारियों की सेवा समाप्त कर दी है। ये बिना किसी सूचना और अवकाश स्वीकृति के लंबे समय से अनुपस्थित थे। समीक्षा मीटिंग के दौरान इन कर्मचारियों के बारे में जानकारी मिली थी, यह कर्मचारी पिछले कई महीनों से लगातार बिना सूचना/सक्षम स्वीकृति के अपने काम से अनुपस्थित है। इनके काम पर नहीं रहने से उद्यान विभाग के काम प्रभावित हो रहे थे। साथ ही बिना अवकाश स्वीकृति के अनुपस्थित रहना अनुशासनहीनता का प्रतीक है, जिसे देखते हुए निगम कमिश्नर ने यह निर्णय लिया। हरि कृष्ण शुक्ला, राहुल चितौड़ा, अनवर खान, संगीता वर्मा, विक्रम उंटवाल, मंगला सोनी, निर्मला भोरसे, सोनू धीमान, तरुण सिंह, रविंद्र वामनराव, प्रीतेश भूपेंद्र, मनोज चौहान, दुर्गा कामरे, सूरज धारिया, राजेश मेहता, लक्ष्मी वानखेडे, ओमप्रकाश सोलंकी, जगदीश शिवराम, महेंद्र गेहलोद, सदाशिव पूरी, इंद्रसिंह चौहान, प्रताप चावरे, रामकरण धीमान, मनोज कमलेशचंद्र, तुलसाबाई, सुनीता।

संक्षेप

हत्या के बाद इंदौर में काट रहा था फरारी

इंदौर। हत्या के बाद इंदौर में हुलिया बदलकर फरारी काट रहे आरोपी को इंदौर क्राइम ब्रांच और महाराष्ट्र पुलिस ने समन्वय कर पकड़ लिया। वह इंदौर में छिपा हुआ था और फरारी काट रहा था। मिली जानकारी के मुताबिक 9 मई को अडगांव जिला नासिक, महाराष्ट्र में दिन दहाड़े चाकुओं से गोदकर हत्या कर सनसनी फैलाने वाले कुख्यात बदमाश राजेंद्र उर्फ राजा को क्राइम ब्रांच इंदौर ने पकड़ा। आरोपी भेष बदलकर इंदौर में फरारी काटने के लिए आया था। थाना अडगांव की एक विशेष पुलिस टीम इंदौर क्राइम ब्रांच पहुंची। यहां टीम ने महाराष्ट्र में दर्ज घटना और फरार आरोपी की जानकारी दी और उसे पकड़ने के लिए इंदौर आने के बारे में बताया।

एमवाय हॉस्पिटल में वेतन नहीं मिलने से भड़के कर्मचारी

इंदौर। एमजीएम मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पतालों में बुधवार को बीवीजी कंपनी के आउटसोर्स कर्मचारियों ने हड़ताल की। जिसके कारण मुख्य दरवाजे से लेकर पूरे परिसर में सुरक्षाकर्मी नजर नहीं आए। हड़ताल के कारण सफाई व्यवस्थाओं पर भी असर नजर आया। एमवायएच में हड़ताल कर रहे कर्मचारियों ने बताया कि हमारी सैलरी नहीं आ रही है। जिन कर्मचारियों की सैलरी आई है, वह भी चार से पांच हजार रुपये कम आई है। कर्मचारियों का कहना है कि हमारी सैलरी 12600 रुपये है, लेकिन हमें आठ हजार रुपये ही मिले हैं। इतनी कम सैलरी में हम घर कैसे चलाएंगे। हम कंपनी के मैनेजर रवि मालवीय से शिकायत भी कर रहे हैं, लेकिन कोई भी सुनने को तैयार नहीं है।

पेंशनरों की सुविधाओं में वृद्धि के लिए समन्वय बैठक

इन्दौर। मप्र विद्युत मंडल(बिजली कंपनी) के पेंशनरों के एसोसिएशन एवं कंपनी प्रबंधन के बीच बुधवार को सुविधाओं में वृद्धि को लेकर समन्वय बैठक का आयोजन पोलोग्राउंड स्थित पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी प्रबंध निदेशक सभागार में किया गया। अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रकाश सिंह चौहान ने की। श्री चौहान ने कहा कि राज्य शासन के निर्देश पर अंशदायी मेडिक्लेम योजना लागू करने के बाद कंपनी क्षेत्र के हजारों पेंशनर इससे जुड़े हैं, करीब दो सौ चिकित्सा सुविधा का लाभ भी लिया हैं, इसके लाभ लेने, पंजीयन फार्म जमा करने की तारीख और बढ़ाने की हरसंभव कोशिश की जाएगी, ताकि छूटे हुए पेंशनर्स और कार्मिक लाभ ले पाए। एरियर्स के भुगतान, संगठन के लिए भवन व अन्य मांगों को लेकर पदाधिकारियों ने मांग पत्र भी सौंपा व जल्दी कार्रवाई करने की मांग की।

जेल रोड के व्यापारी पर नकाबपोश बदमाशों का हमला

दिनदहाड़े ऑफिस में बैठे कारोबारी को पीटा

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के जेल रोड स्थित चाइना टाउन मार्केट में बुधवार सुबह एक व्यापारी पर नकाबपोश बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने पहले लोहे की रॉड से हमला किया और फिर पैर में चाकू मारकर मौके से फरार हो गए।

घायल व्यापारी को आसपास के लोग अस्पताल लेकर पहुंचे। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। एमजी रोड थाना पुलिस के मुताबिक घायल व्यापारी आनंद पुत्र रामचंद्र विशपुते निवासी स्कीम-114 हैं। उन्हें उनके परिचित इलाज के लिए एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे। आनंद के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। घायल के साथी अजय ने बताया कि आनंद का पंखे और एयर कंडीशन का कारोबार है। चाइना टाउन मार्केट में उनका ऑफिस है। बुधवार सुबह वह ऑफिस पहुंचे थे और मोबाइल चला रहे थे। इसी दौरान बाइक पर सवार दो नकाबपोश बदमाश वहां पहुंचे। बताया जा रहा है कि एक बदमाश ने पीछे से लोहे की रॉड से हमला किया। आनंद बचने के लिए खड़े हुए तो उनके कंधे और सिर पर चोट लगी। इसके बाद दूसरे बदमाश ने उनके पैर पर चाकू से वार कर दिया। आनंद के शोर मचाने पर

दोनों आरोपी बाइक से फरार हो गए। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस को इलाके के सीसीटीवी कैमरों में दोनों बदमाश बाइक से आते-जाते दिखाई दिए हैं। एमजी रोड थाना पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान में जुटी है।

अस्पताल में गार्ड ने की मारपीट, वीडियो वायरल

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र स्थित अरविंदो हॉस्पिटल में इलाज कराने पहुंचे युवकों और अस्पताल स्टाफ के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि अस्पताल में तैनात गार्डों ने युवकों के साथ मारपीट शुरू कर दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक कुछ युवक अपने एक साथी को इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। इसी दौरान किसी बात को लेकर अस्पताल स्टाफ और युवकों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर अस्पताल के गार्डों ने युवकों के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट शुरू कर दी। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया, जिसमें कई गार्ड युवकों के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं।

इंदौर के जैन मंदिर चोरी के मामले में 4 गिरफ्तार

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र स्थित ग्रेटर बाबा जैन मंदिर में 3 मई को हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि छह अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। जांच में एक महिला की भूमिका भी सामने आई है, जो चोरी के माल को ठिकाने लगाने का काम करती थी। एडीशनल डीसीपी सुमित केरकट्टा के मुताबिक पुलिस ने मामले में ललित नामक आरोपी को हिरासत में लिया था। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि चोरी की वारदात ओमप्रकाश की बाइक का इस्तेमाल कर अंजाम दी गई थी। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी गया सामान बरामद किया, जिसमें दो चांदी की मूर्तियां, छह चांदी के कलश और अन्य धार्मिक सामग्री शामिल है।

कांग्रेस में "माइनॉरिटी सर्जिकल स्ट्राइक"

आरोपों के बीच शेख अलीम की पूरी टीम साफ, प्रदेश से वार्ड तक संगठन भंग

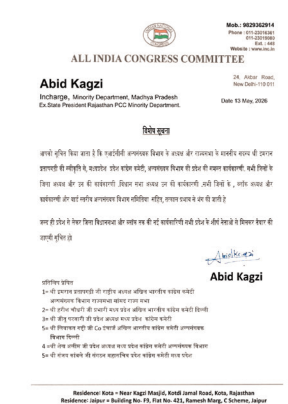
ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
Abid Kagzi
Abid Kagzi
Residence: Kota = Near Kagzi Masjid, Kotdi Jamal Road, Kota, Rajasthan
Residence: Jaipur = Building No. F9, Flat No. 421, Ramesh Marg, C Scheme, Jaipur

इंदौर ● संवाददाता

मध्यप्रदेश कांग्रेस में अल्पसंख्यक विभाग को लेकर बड़ा राजनीतिक भूचाल आ गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मोहम्मद इमरान प्रतापगढ़ी की स्वीकृति के बाद प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की पूरी कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है। इस फैसले ने कांग्रेस संगठन के भीतर हलचल और सियासी चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है।

जारी आदेश के मुताबिक प्रदेश कार्यकारिणी, जिला अध्यक्ष, जिला कार्यकारिणी, विधानसभा अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष, वार्ड स्तरीय समितियां और उनसे जुड़ी सभी इकाइयों को एक झटके में समाप्त कर दिया गया है। अब नई कार्यकारिणी का गठन प्रदेश नेतृत्व और कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की सहमति से किया जाएगा।

सूचना पर आबिद कागज़ी के हस्ताक्षर बताए जा रहे हैं। आदेश की प्रतिलिपि हरीश चौधरी, जीतू पटवारी और संजय काम्बले सहित कई वरिष्ठ नेताओं को भी भेजी गई है। इससे साफ माना जा रहा है कि कांग्रेस अब अल्पसंख्यक विभाग में पूरी तरह नई रणनीति और नए चेहरों के साथ आगे बढ़ना चाहती है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह केवल संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि कांग्रेस का "डैमेज कंट्रोल मिशन" है। पार्टी अब उन चेहरों को आगे लाने की तैयारी में है जो जमीनी पकड़ रखते हों और विवादों से दूर हों। आने वाले दिनों में नई नियुक्तियों को लेकर कांग्रेस में और बड़ा घमासान देखने को मिल सकता है।

इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में प्रदेश अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष शेख अलीम का नाम चर्चा में है। राजनीतिक गलियारों में लंबे समय से उन पर संगठन में निष्क्रियता, गुटबाजी और भाजपा से कथित मिलीभगत जैसे आरोप लगते रहे हैं। इतना ही नहीं, कुछ दिन पहले एक संत से जुड़े विवादित मामले में भी उनका नाम सामने आने के बाद कांग्रेस के भीतर नाराजगी और बढ़ गई थी। सूत्रों की मानें तो इन्हीं विवादों और लगातार बढ़ते असंतोष के चलते कांग्रेस हाईकमान ने सख्त कदम उठाते हुए पूरी कमेटी को ही भंग कर दिया।

इंदौर में महिला कॉन्स्टेबल को मिला लावारिस पर्स

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में शादी से लौट रही एक महिला का पर्स रास्ते में गिर गया। पर्स में सोने-चांदी के जेवरात, दो मोबाइल फोन और नकदी रखी थी। पर्स नहीं मिलने पर पति-पत्नी परेशान हो गए, उन्हें समझ नहीं आया कि पर्स कहां गुम हो गया।

गनीमत रही कि पर्स किसी गलत हाथ में नहीं गया, बल्कि ड्यूटी पर तैनात एक महिला कॉन्स्टेबल को मिल गया। मामला बुधवार को आईटी पार्क चौराहे का है। यहां एक महिला का पर्स गिर गया था। लावारिस हालत में पड़ा यह पर्स वहां ड्यूटी कर रही महिला कॉन्स्टेबल को मिला। पर्स खोलकर देखा तो उसमें लाखों रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवरात, दो मोबाइल फोन और नकदी रखी थी। पर्स के अंदर सोने के कान के जेवरात, चांदी की दो जोड़ी पायल, एक चांदी का कमरबंद, दो मोबाइल फोन और नकदी मिली। साथ ही पर्स में आईडी कार्ड भी

मिले, जिसके आधार पर संबंधित महिला की जानकारी प्राप्त की गई।

वापस बुलवाया आईटी पार्क चौराहे

एसीपी सुप्रिया चौधरी ने बताया कि आईटी पार्क चौराहे पर महिला कॉन्स्टेबल टोनिका मौर्य, संध्या पोरवाल और आरती वसुनिया ड्यूटी पर तैनात थीं। इसी दौरान उन्हें एक लावारिस पर्स मिला। पर्स खोलकर देखा गया तो उसमें सोने-चांदी के जेवरात रखे मिले। इसकी जानकारी तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। पर्स में दो मोबाइल फोन भी मिले थे। मोबाइल पर कॉल आने के बाद संबंधित महिला से संपर्क किया गया और उन्हें वापस आईटी पार्क चौराहे बुलवाया गया। पुलिस ने जानकारी ली तो पता चला कि जिस महिला का पर्स गिरा था, उनका नाम मंजू है। वह अपने पति और दो बच्चों के साथ शादी समारोह से लौट रही थीं। परिवार पीथमपुर का रहने वाला है। रास्ते में पर्स कब गिर गया, इसका उन्हें पता ही नहीं चला। पुलिस ने पहचान सत्यापन के लिए मोबाइल फोन का पासवर्ड खुलवाया और पर्स में रखे सामान की जानकारी ली।

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को रफ्तार : कलेक्टर ने किया इंदौर-खंडवा नेशनल हाईवे का निरीक्षण

इंदौर ● संवाददाता

आगामी सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए इंदौर-खंडवा नेशनल हाईवे (NH-347BG) के निर्माण कार्यों को गति देने के उद्देश्य से कलेक्टर ने हाईवे का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री वर्मा ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सिंहस्थ 2028 की दृष्टि से इस परियोजना को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तेजी से कार्य पूर्ण किया जाए, ताकि यातायात व्यवस्था सुगम और सुरक्षित बनाई जा सके। निरीक्षण के दौरान उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में आने वाली किसी भी प्रकार की बाधा को तत्काल दूर किया जाए तथा NHAI को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए, जिससे परियोजना निर्धारित समय में पूर्ण हो सके।

इस अवसर पर NHAI इंदौर के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री प्रवीण यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि इंदौर-खंडवा नेशनल हाईवे परियोजना का संपूर्ण कार्य दिसंबर 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि भेरूघाट बायपास का निर्माण कार्य जुलाई 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके पूर्ण होने से घाट क्षेत्र में लगने वाले ट्रैफिक जाम से आमजन को बड़ी राहत मिलेगी। निरीक्षण के दौरान NHAI के तकनीकी अधिकारी एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ राजस्व अधिकारी भी उपस्थित रहे।

शराब के नशे में कुएं में खुद गिरा, बोला-लुटेरों ने गिराया; मोबाइल और बाइक बरामद

पत्नी की डांट से बचने रची लूट की कहानी

इंदौर ● संवाददाता

सिमरोल थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात कथित लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया। कुक संजय यादव ने तीन बदमाशों द्वारा हमला कर कुएं में फेंकने और बाइक-मोबाइल लूटने की जो कहानी पुलिस को बताई थी, वह पूरी तरह झूठी निकली। दरअसल, उसने पत्नी के डर से कहानी गढ़ी थी। पुलिस ने कुएं से उसकी बाइक और मोबाइल बरामद कर लिए हैं।

डीएसपी उमाकांत चौधरी के मुताबिक संजय यादव ने पुलिस को बताया था कि प्याज गोदाम के पास एक युवक ने हाथ देकर उसे रोकने की कोशिश की। शक होने पर उसने बाइक की रफ्तार बढ़ा दी। कुछ दूरी आगे बढ़ते ही दो अन्य बदमाश दौड़ते हुए आए और लाठी से हमला कर दिया। हमले में वह खेत में जा गिरा। इसके बाद बदमाशों ने उसके सिर पर डंडों से वार किए, मोबाइल और बाइक (MP09-DK-9714) लूट ली और उसे पास के कुएं में फेंककर फरार हो गए।

बोला-6 घंटे तक कुएं में पड़ा रहा

संजय ने दावा किया था कि कुआं करीब 30 फीट गहरा था और उसमें करीब 5 फीट पानी भरा था। गिरने से उसकी टांग में फ्रैक्चर हो गया, जिसके कारण वह करीब 6 घंटे तक कुएं में पड़ा रहा। सुबह लोगों की मदद से उसे बाहर निकाला गया।

फुटेज में शराब खरीदते दिखाई दिया

हालांकि शुरुआत से ही पुलिस को उसकी कहानी पर संदेह था। पुलिस ने जब उसके आने-जाने के रास्तों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो वह घटना वाली रात एक शराब दुकान पर शराब खरीदते हुए दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस घर पहुंची और दोबारा पूछताछ की तो उसने सच कबूल लिया।

शराब के नशे में खुद कुएं में गिर गया था

संजय ने बताया कि उसने ज्यादा शराब पी रखी थी। तेज रफ्तार में बाइक चलाते समय वह खुद ही कुएं में गिर गया था। सुबह होश आने पर उसने पत्नी और परिवार की डांट से बचने के लिए लूट की झूठी कहानी बना दी। पुलिस ने उसकी बाइक और मोबाइल कुएं से बरामद कर लिए हैं।

दैनिक सनातन वीर
Reg. No. MPHIN/25A3002
राष्ट्रहित, धर्मरक्षा जनसेवा को समर्पित

शॉर्ट न्यूज

शिक्षक का मोबाइल हैक कर रिश्तेदारों से मांगे पैसे

शाजापुर। शाजापुर के लालघाटी थाना क्षेत्र में एक सरकारी शिक्षक के साथ साइबर धोखाधड़ी हो गई। बदमाशों ने शिक्षक ईश्वर सिंह मालवीय का मोबाइल हैक कर उनके व्हाट्सएप के जरिए रिश्तेदारों और परिचितों से करीब 15 हजार रुपए ऐंठ लिए। पीड़ित ने बुधवार को थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। बकानी में पदस्थ शिक्षक ईश्वर सिंह मालवीय ने बताया कि मंगलवार रात 8 बजे उनका मोबाइल अचानक हैक हो गया। इसके बाद उनके नंबर से परिचितों को मैसेज भेजे गए, जिसमें प्रधानमंत्री योजना की किस्त डालने और एक्सीडेंट का बहाना बनाकर पैसे मांगे गए। संदेशों के साथ क्यूआर कोड भी भेजा गया था ताकि लोग तुरंत भुगतान कर सकें। धोखाधड़ी के इन संदेशों को सच मानकर शिक्षक के कुछ रिश्तेदारों ने 2 हजार, 4 हजार और 5 हजार रुपए सहित कुल 15 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए।

खेल मैदान खोद डाला, श्मशान भी नहीं छोड़ा

शिवपुरी। जिले के पोहरी विकासखंड के ग्राम खेरपुरा में शासकीय खेल मैदान और शमशान भूमि पर कथित अवैध मुरम उत्खनन को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को शिकायत सौंपकर आरोप लगाया है कि गांव की सरकारी जमीन से दिन-रात मशीनों के जरिए मुरम निकाली जा रही है। इससे खेल मैदान गहरे गड्ढों में तब्दील हो गया है और शमशान भूमि भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने मामले की जांच कर उत्खनन तत्काल बंद कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों के मुताबिक, खेरपुरा ग्राम पंचायत में सर्वे नंबर 472, 473, 474 और 475 की शासकीय भूमि पर लगातार खुदाई की जा रही है। गांव के बच्चों के लिए यही एकमात्र खेल मैदान था, लेकिन अब वहां बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। सरपंच पुत्र अमर सिंह ने बताया कि लगातार हो रहे उत्खनन से बारिश के दौरान हादसों का खतरा बढ़ जाएगा।

ग्वालियर में नई चौपाटी : 50 दुकानें, 200 लोगों की बैठने

ग्वालियर। ग्वालियर में फूलबाग चौपाटी की तर्ज पर सचिन तेंदुलकर मार्ग पर एक नई चौपाटी विकसित करने की योजना तैयार की गई है। इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार के आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय से 4 करोड़ रुपये का अनुदान मिलेगा। चौपाटी में 50 दुकानें होंगी और इसमें एक साथ 200 लोगों के बैठने की व्यवस्था की जाएगी। शुरुआत में नगर निगम ने इस चौपाटी के लिए रामदास घाटी के पास जगह देखी थी। हालांकि, वहां की स्थिति और संभावित ग्राहकों की संख्या को देखते हुए उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया। अब सचिन तेंदुलकर रोड पर नगर निगम के मदाखलत विभाग के कार्यालय के सामने नई चौपाटी बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट जल्द ही भोपाल भेजी जाएगी। नई चौपाटी में नगर निगम 12 गुणा 12 फीट की 50 दुकानें तैयार करेगा।

सराफा व्यापारियों की सुरक्षा पर पुलिस अलर्ट

बुरहानपुर। सराफा व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर बुधवार दोपहर पुलिस कंट्रोल रूम में बैठक आयोजित की गई। कोतवाली थाना प्रभारी नीता देअरवाल ने सराफा एसोसिएशन और व्यापारियों के साथ चर्चा की। बैठक में शहर के प्रमुख सराफा व्यापारी और व्यापारी संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, चोरी और ठगी की घटनाओं पर रोक लगाना तथा पुलिस और व्यापारियों के बीच समन्वय मजबूत करना था। बैठक में सभी सराफा दुकानों पर उच्च गुणवत्ता वाले CCTV कैमरे लगाने और उन्हें नियमित रूप से चालू रखने के निर्देश दिए गए। व्यापारियों से दुकानों में इमरजेंसी अलार्म सिस्टम लगाने को भी कहा गया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में पुलिस को तुरंत सूचना मिल सके।

ग्वालियर में परिजन ने दफनाया, पोस्टमॉर्टम कराने की मांग के बाद पुलिस ने निकाला शव

होटल के स्विमिंग पूल में डूबने से बच्चे की मौत

संवाददाता ● ग्वालियर

ग्वालियर के गिरवाई थाना क्षेत्र स्थित एबी रोड के प्रिंस मामा होटल में हादसा हो गया। परिवार के साथ डिनर और पूल पार्टी करने गए 7 वर्षीय वेद पाल की स्विमिंग पूल में डूबने से मौत हो गई। घटना रात करीब 9:30 से 10 बजे के बीच हुई।

परिजन ने सोमवार-मंगलवार की रात करीब 1 बजे बच्चे के शव को दफना दिया था, लेकिन मंगलवार शाम मामला पुलिस तक पहुंचा। बच्चे के पिता और चाचा गिरवाई थाने पहुंचे और घटना की जानकारी दी। उन्होंने होटल प्रबंधन की लापरवाही तय करने के लिए शव निकलवाकर पोस्टमॉर्टम कराने की मांग की। पुलिस ने बुधवार को लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम से बच्चे का शव निकलवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। ग्वालियर में यह संभवतः पहला मामला होगा, जिसमें दफनाए गए बच्चे के शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है।

चाचा के साथ होटल गया था मासूम

जनकगंज स्थित गोल पहाड़िया निवासी देवेंद्र पाल ने बताया कि सोमवार रात वह अपनी पत्नी भारती पाल, बड़े भाई दिनेश पाल के बेटे वेद पाल और रिश्तेदारों के साथ डिनर व पूल पार्टी के लिए प्रिंस मामा होटल गए थे। होटल में बड़े सदस्य स्विमिंग पूल में थे, जबकि बच्चे पास बने बच्चों के पूल में थे। सभी लोग रात करीब 8:30 बजे होटल पहुंचे थे।

होटल के बड़े स्विमिंग पूल में मिला वेद

रात करीब 9:30 से 10 बजे के बीच देवेंद्र पाल ने बच्चों के पूल की तरफ देखा तो वेद वहां नजर नहीं आया। परिजन ने उसकी तलाश शुरू की। कुछ देर बाद बड़े स्विमिंग पूल की गहराई में वेद का शव मिला। उसे अंकुर हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां से जयारोग्य अस्पताल (JAH) रेफर कर दिया गया। जेएएच पहुंचने पर डॉक्टरों ने रात करीब 12 बजे बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

रात 1 बजे दफनाया, पुलिस के पास पहुंचे

हादसे के बाद परिजन बदहवास थे और कुछ समझ नहीं पा रहे थे। घटना को हादसा मानते हुए वे सोमवार-मंगलवार की रात करीब 1 बजे बच्चे के शव को लक्ष्मीगंज श्मशान घाट ले गए और दफना दिया। मिलने पहुंचे लोगों ने परिजन को बताया कि घटना में होटल प्रबंधन की लापरवाही हो सकती है, क्योंकि वहां लाइफ गार्ड और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। इसके बाद परिवार को मामले की गंभीरता का एहसास हुआ। परिजन का आरोप है कि स्विमिंग पूल पर सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। इसी कारण मंगलवार शाम वे गिरवाई थाने पहुंचे और शव निकलवाकर पोस्टमॉर्टम कराने की मांग की।

गिरवाई थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मर्ग कायम कर लिया है। बुधवार ने सुबह पुलिस लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम पहुंचकर बच्चों के श्मशान से वेद का शव निकलवाया और पीएम के लिए भेजा। पुलिस प्रिंस मामा होटल पहुंचकर जांच करेगी और घटना के समय के सीसीटीवी फुटेज जुटाएगी।

होटल प्रबंधन पर उठते सवाल

सुरक्षा मानक : क्या होटल के स्विमिंग पूल पर गार्ड या लाइफगार्ड तैनात था?

खतरे का संकेत : क्या छोटे और बड़े पूल के बीच सुरक्षित घेराबंदी थी?

लापरवाही : परिजन का कहना है कि अगर सुरक्षाकर्मी मुस्तैद होते तो बच्चे को समय रहते बचाया जा सकता था।

गिरवाई थाना प्रभारी सुरेन्द्र नाथ सिंह ने बताया कि परिजन ने बच्चे के डूबने और होटल प्रबंधन की लापरवाही की शिकायत की है। चूंकि अंतिम संस्कार हो चुका है, इसलिए कानूनी प्रक्रिया के तहत शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। जांच के बाद जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर सख्त कार्रवाई होगी।

गार्डन में पड़ी मिली 1 साल की मासूम

शिशु गृह भिजवाया, पास में रखा मिला कपड़े से भरा बैग, पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही

संवाददाता ● रतलाम

रतलाम शहर के पुराने कलेक्ट्रेट स्थित गुलाब चक्कर गार्डन में बुधवार दोपहर एक साल की मासूम बच्ची लावारिस हालत में मिली। बच्ची तपती धूप में अकेली रो रही थी। उसके पास कपड़ों से भरा एक बैग भी रखा था। जिस हालत में बच्ची मिली, उससे आशंका जताई जा रही है कि कोई उसे छोड़कर चला गया।

सूचना मिलने पर पुलिस ने बच्ची को बरामद कर चाइल्ड हेल्पलाइन को सौंप दिया। जानकारी के मुताबिक, बुधवार दोपहर करीब 12 बजे गार्डन परिसर में आशा-ऊषा कार्यकर्ताओं की बैठक चल रही थी। इसी दौरान कुछ कार्यकर्ताओं की नजर पास में बैठी एक छोटी बच्ची पर पड़ी। बच्ची अकेली थी और लगातार रो रही थी। कार्यकर्ता उसके पास पहुंचीं और उसे चुप कराने की कोशिश की, लेकिन काफी देर तक कोई उसे लेने नहीं आया। इसके बाद स्टेशन रोड थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास बच्ची के परिजनों की तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

बच्ची के आसपास लगी थीं चींटियां

रत्तागढ़खेड़ा की आशा कार्यकर्ता शोभा पाटीदार ने बताया कि बैठक के दौरान उनकी नजर बच्ची पर पड़ी। बच्ची के आसपास चींटियां लगी हुई थीं। इसके बाद उन्होंने अन्य साथियों को जानकारी दी। बच्ची को पानी पिलाया और बिस्किट खिलाए। बाद में पुलिस को सूचना दी गई।

मेडिकल के बाद शिशु गृह भेजा

चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने पुलिस के साथ बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया। स्वास्थ्य सामान्य पाए जाने पर बाल कल्याण समिति के निर्देश पर बच्ची को शिशु गृह भेज दिया गया। चाइल्ड हेल्पलाइन के जिला समन्वयक प्रेम चौधरी ने बताया कि बच्ची जिस हालत में मिली है, उससे अंदेशा है कि उसे जानबूझकर छोड़ा गया है। बच्ची के पास छोटे बच्चों के कपड़ों से भरा बैग भी मिला है। फिलहाल बच्ची पूरी तरह स्वस्थ है।

786 नंबर के नोट के बदले 86 लाख का झांसा

उज्जैन। उज्जैन की एक बड़ी होटल में काम करने वाले नेपाली युवक को फेसबुक पर दिखा एक विज्ञापन भारी पड़ गया। 786 नंबर वाले नोट बेचने के लालच में युवक साइबर ठगी का शिकार हो गया। आरोपियों ने नोट खरीदने के नाम पर उससे करीब साढ़े तीन लाख रुपए ठग लिए। पीड़ित मोहन श्रेष्ठा (44), पिता लील प्रसाद श्रेष्ठा, उज्जैन के एक फोर स्टार होटल में शेफ हैं। उन्होंने बताया कि वह फेसबुक चला रहे थे, तभी उन्हें एक विज्ञापन दिखाई दिया, जिसमें यूनिक नंबर और 786 नंबर वाले नोटों के बदले भारी रकम देने का दावा किया गया था। विज्ञापन में दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने के बाद आरोपियों ने उन्हें भरोसे में लिया और कहा कि तीन नोटों के बदले 86 लाख रुपए होम डिलीवरी के जरिए भेजे जाएंगे।

झाबुआ में सड़क पर बिखरे आधार, पैन कार्ड

झाबुआ। झाबुआ जिले की मेघनगर तहसील में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के किनारे, चौखवाड़ा गांव के पास मंगलवार शाम को ढेर सारे जरूरी सरकारी कागज लावारिस हालत में पड़े मिले। सड़क किनारे एक खुला हुआ बोरा मिला, जिसमें से निकलकर लोगों के जरूरी कागजात चारों तरफ फैले हुए थे। इनमें लोगों के आधार कार्ड, पैन कार्ड, बीमा के कागज और सबसे जरूरी-युवाओं की नौकरी के जॉइनिंग लेटर शामिल थे। डाक विभाग का काम इन कागजों को लोगों के घर तक सुरक्षित पहुंचाना था, लेकिन इन्हें इस तरह सड़क पर फेंक दिया गया। सड़क पर कागज बिखरे देख गांव के लोग मदद के लिए आगे आए। उन्होंने उन कागजों को इकट्ठा किया और उन पर लिखे पतों और फोन नंबरों के जरिए लोगों को खबर दी।

गुलाब बाग पानी के टंकी पर जमकर हंगामा

पार्षद पुत्र ने की वॉल्वमैन से की मारपीट

संवाददाता ● इंदौर

विजयनगर और लसूड़िया क्षेत्र के बीच स्थित पानी की टंकी पर मंगलवार रात जमकर हंगामा हो गया। आरोप है कि यहां अमित सोनी ने नगर निगम के वाल्वमैन के साथ मारपीट कर दी। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हालांकि मामले में अब तक पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

जानकारी के मुताबिक स्कीम नंबर-114 स्थित पानी की टंकी पर तैनात नगर निगम कर्मचारी अभिषेक के साथ मारपीट की घटना हुई। घटना के विरोध में बुधवार सुबह कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया। इसका असर आसपास के इलाकों में जलापूर्ति पर भी पड़ा। स्कीम नंबर-54 की पानी की टंकी भी समय पर नहीं भर पाई, जिससे कई क्षेत्रों में पानी सप्लाई प्रभावित रही। मामले की जानकारी नगर निगम अधिकारियों तक भी पहुंची, लेकिन पार्षद का नाम सामने आने के कारण किसी ने खुलकर कार्रवाई नहीं की। घटना का पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुआ है।

निगम कर्मचारी पर आरोप

इधर, पार्षद बालमुकुंद सोनी ने मीडिया से बातचीत में नगर निगम कर्मचारी अभिषेक पर शराब पीकर ड्यूटी करने और पानी चोरी करवाने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को भी जानकारी दी गई है। वहीं दूसरी ओर, स्कीम नंबर-114 का वाल्व समय पर नहीं खोले जाने के कारण इलाके की करीब तीन पानी की टंकियां बुधवार को खाली रह गईं। सुबह नगर निगम कर्मचारी मामले की शिकायत लेकर थाने भी पहुंचे थे, लेकिन निगम अधिकारियों से सहयोग नहीं मिलने के कारण वे बिना शिकायत दर्ज कराए वापस लौट आए।

लाइव फांसी, डॉक्टरों पर पीटने-बंधक बनाने का आरोप

संवाददाता ● दतिया

दतिया मेडिकल कॉलेज के ऑर्थो वार्ड में मंगलवार रात मरीज के एक अटेंडर के साथ मारपीट और उसे ड्यूटी रूम में बंधक बनाने का मामला सामने आया है।

आरोप है कि परेशान होकर युवक ने कमरे में फांसी लगाने की कोशिश की। सूचना मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस पहुंची और ताला तोड़कर युवक को बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार, बरगाय निवासी प्रदीप पाल अपने चाचा का इलाज कराने मेडिकल कॉलेज पहुंचा था। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के मुताबिक, किसी बात पर प्रदीप की जूनियर डॉक्टरों से कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसके बाद 6-7 जूनियर डॉक्टरों ने प्रदीप के साथ मारपीट की और उसे ड्यूटी रूम में बंद कर दिया। परिजनों के मुताबिक, प्रदीप करीब एक घंटे तक कमरे में बंद रहा। इस दौरान उसने कमरे में लगे पर्दे को फाड़कर फंदा बनाया और फांसी लगाने का प्रयास किया। बाहर मौजूद परिजनों और अन्य मरीजों ने हंगामा शुरू किया, जिससे अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल चौकी पुलिस पहुंची। पुलिस ने पहले दरवाजा खुलवाने की कोशिश की, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। स्थिति गंभीर देखते हुए पुलिस ने कमरे का ताला तोड़ दिया और युवक को बाहर निकाला। दतिया एएसपी सुनील कुमार शिवहरे के मुताबिक, अटेंडर और डॉक्टर के बीच कुछ गलतफहमी के चलते विवाद हुआ।

इलाज प्रभावित, मरीजों ने लगाई मदद की गुहार

घटनाक्रम के दौरान मेडिकल कॉलेज में देर रात तक तनाव की स्थिति बनी रही। कई मरीज इलाज के लिए परेशान होते रहे। कुछ वीडियो में मरीज और उनके परिजन मदद की गुहार लगाते नजर आए। परिजनों ने मामले में कार्रवाई की मांग की है। मेडिकल कॉलेज के सुपरिंटेंडेंट डॉ. अर्जुन सिंह ने आरोपों को गंभीर मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा- ऐसा कुछ नहीं हुआ है। मामला आपस में सुलझा लिया गया है।

युवा कांग्रेस ने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा

संवाददाता ● झाबुआ

नीट परीक्षा में कथित धांधली और पेपर लीक के बाद परीक्षा रद्द होने से झाबुआ के आदिवासी अंचल के छात्र और अभिभावक परेशान हैं।

इसी के विरोध में आज झाबुआ जिला युवक कांग्रेस ने राजगढ़ नाके पर प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष नटवर डोडियार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। युवा कांग्रेस के जिला प्रभारी प्रताप पटेल ने इस चूक के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए शिक्षा मंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि सरकार की गलती ने हजारों परिवारों के बच्चों के भविष्य के सपनों को प्रभावित किया है, जिन्होंने अपने बच्चों के लिए काफी त्याग किया था। झाबुआ जैसे पिछड़े और आदिवासी बहुल जिले में यह केवल एक परीक्षा रद्द होना नहीं है, बल्कि उन छात्रों के सपनों का टूटना है जिन्होंने गरीबी से बाहर निकलने के लिए डॉक्टर बनने का मार्ग चुना था। जिले के कई किसान और मजदूर परिवारों ने अपनी मेहनत की कमाई और जमीनें गिरवी रखकर या कर्ज लेकर अपने बच्चों को बड़े शहरों में कोचिंग के लिए भेजा था। विशेष रूप से उन मेधावी आदिवासी विद्यार्थियों में भारी निराशा है, जिन्हें सरकारी स्तर पर पीएम श्री गर्ल्स स्कूल में विशेष कोचिंग दी गई थी। विज्ञान विषय की शिक्षक श्रद्धा परसाई के मार्गदर्शन में 30 अप्रैल तक चली इस कोचिंग में 20 से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल हुए थे।

15 वर्षीय किशोरी की दबने से मौत, 6 घायल; दो दिन पहले ही कटा था चालान

30 मजदूरों से भरा ओवरलोड ऑटो पलटा

संवाददाता ● रतलाम

रतलाम जिले के सैलाना क्षेत्र स्थित सकरावदा में बुधवार सुबह 7:30 बजे एक ओवरलोड ऑटो पलटने से 15 वर्षीय बालिका की दबकर मौत हो गई। हादसे में 6 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। ऑटो में क्षमता से अधिक करीब 25 से 30 मजदूर सवार थे। तेज गति और ओवरलोड होने के कारण मोड़ पर चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे यह हादसा हुआ।

जानकारी के अनुसार, ऑटो रिक्शा (MP 43 K 2267) बुधवार सुबह ग्राम फूफीरुंडी से मजदूरों को लेकर सकरावदा होते हुए सैलाना जा रहा था। सुबह करीब साढ़े सात बजे ऑटो सकरावदा के इमली चौक के पास, पूर्व सरपंच वागजी खराड़ी के घर के सामने एक मोड़ पर पहुंचा। गति अधिक होने और क्षमता से ज्यादा वजन होने के कारण चालक स्टेयरिंग से अपना नियंत्रण खो बैठा और ऑटो पलट गया। हादसे के बाद सड़क पर चीख-पुकार मच गई। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत घटनास्थल पर दौड़े और ऑटो में फंसे घायलों को बाहर निकाला। हादसे में फूफीरुंडी निवासी 15 वर्षीय कविता (पिता सूरज खराड़ी) की ऑटो के नीचे दबने से मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को सैलाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

दो दिन पहले ही हुई थी चालानी कार्रवाई

सैलाना थाना प्रभारी पिंकी आकाश ने बताया कि पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ऑटो पर दो दिन पहले ही ओवरलोडिंग को लेकर 15 हजार रुपए की चालानी कार्रवाई की थी। थाना प्रभारी ने कहा, "चालान कटने के बावजूद चालक ने अनदेखी की और वाहन में क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाकर ले जा रहा था। पुलिस ने ऑटो चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले को जांच में ले लिया है।"

3 गंभीर घायल सैलाना अस्पताल रेफर

दुर्घटना में कुल 6 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 3 घायलों को सकरावदा के एक निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया। वहीं, गंभीर रूप से घायल 40 वर्षीय कालीबाई (पति मोहन मईड़ा) और 35 वर्षीय रेखा (पति शंकर खराड़ी) का उपचार सैलाना प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है। अन्य घायलों को मामूली चोटें आई हैं। क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों के कारण हादसे लगातार हो रहे हैं। इससे पहले 2 मई को पिपलौदा थाना क्षेत्र के आंबा के पास सुबह करीब 50 मजदूरों से भरी एक बोलेरो रिवर्स लेते समय खाई में गिर गई थी।

साहब के आदेश में 'दम', पर मैदानी अमला 'बेदम'!

कलेक्टर के आदेश को ठेंगा दिखा रहीं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता

कार्यकर्ता गांव में ही नहीं, तो कौन करेगा बच्चों की सेहत की निगरानी?

मुख्यालय से नदारद रहने के कारण व्यवस्थाएं ठप्प

नाश्ता और भोजन का समय तय, पर खिलाने वाले ही गायब!

मुख्यालय से गायब कार्यकर्ताओं पर कब गिरेगी गाज?

खरगोन ● रविन्द्र परमार

जिले में बढ़ते पारे और भीषण गर्मी को देखते हुए प्रशासन ने बच्चों की सेहत की चिंता तो की है, लेकिन मैदानी स्तर पर यह चिंता केवल सरकारी कागजों तक सिमट कर रह गई है। कलेक्टर भव्या मित्तल द्वारा आंगनवाड़ियों का समय बदलने के सख्त निर्देश जारी किए गए हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि न तो केंद्र समय पर खुल रहे हैं और न ही जिम्मेदार कर्मचारी मुख्यालय पर मिल रहे हैं।

समीक्षा बैठकों में सख्ती, धरातल पर "मस्ती'

कलेक्टर महोदय हर समीक्षा बैठक में आंगनवाड़ियों की कार्यप्रणाली को लेकर कड़े तेवर दिखाती हैं। इसके बावजूद, जिले की कई आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं मुख्यालय पर रहने के बजाय अप-डाउन कर रही हैं।

- **देरी से खुलते ताले** : सुबह 8:00 बजे केंद्र खुलने के बजाय कई जगहों पर सन्नाटा पसरा रहता है।
- **मुख्यालय से दूरी** : कार्यकर्ता अपने कार्यस्थल पर रहने के बजाय दूर शहरों से आवाजाही करती हैं, जिससे गृह भेंट और बच्चों की निगरानी का कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।
- **जिम्मेदारों की चुप्पी** : विभाग के डीपीओ और सुपरवाइजर कुपोषण मुक्त जिले का सपना तो देख रहे हैं, लेकिन मैदानी अमले की इस लापरवाही पर लगाम लगाने में नाकाम साबित हो रहे हैं।

कुपोषण के खिलाफ जंग में लापरवाह बना सिस्टम

एक तरफ सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर रही है ताकि कोई बच्चा कुपोषित न रहे, वहीं दूसरी तरफ मैदानी अमले की गैर-मौजूदगी इस अभियान को खोखला कर रही है। जब कार्यकर्ता समय पर केंद्र नहीं खोलेंगी और गांव में मौजूद नहीं रहेंगी, तो बच्चों को मिलने वाला पोषण आहार और सलाह कागजी खानापूर्ति बनकर रह जाएगी।

बच्चों के लिए राहत, स्टाफ के लिए सख्ती

भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए प्रशासन ने बच्चों को तो दोपहर 12 बजे छुट्टी देकर राहत दे दी है, लेकिन आंगनवाड़ी स्टाफ के लिए नियम और कड़े कर दिए हैं। नए आदेश के मुताबिक, भले ही नौनिहालों के लिए केंद्र का समय सुबह 8 से 12 बजे तक रहेगा, किंतु आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को दोपहर 3 बजे तक केंद्र पर अनिवार्य रूप से मौजूद रहना होगा। इस अतिरिक्त समय में उन्हें न केवल रिकॉर्ड अपडेट करने और शाला पूर्व शिक्षा की तैयारी करने के निर्देश हैं, बल्कि कुपोषण से लड़ने के लिए अनिवार्य 'गृह भेंट' (होम विजिट) भी करनी होगी। कलेक्टर के इन सख्त निर्देशों का सीधा संदेश है कि बच्चों को धूप से बचाना है, लेकिन उनके पोषण और विकास की मॉनिटरिंग में कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अब देखना यह है कि कागजों पर उतरी यह सख्ती उन कार्यकर्ताओं पर कितनी असरदार होती है जो अक्सर मुख्यालय से नदारद रहकर व्यवस्था को ठेंगा दिखाती हैं।

भागवत कथा के तीसरे दिन शिवमय हुआ पंडाल, गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

शिव–पार्वती विवाह प्रसंग में उमड़ा श्रद्धा का सागर, शिव बारात बनी आकर्षण का केंद्र

संगीतमय कथा में भक्ति, वैराग्य और दांपत्य आदर्श का सुंदर संदेश

खरगोन ● संवाददाता

ग्राम आकावल्या स्थित पाटीदार धर्मशाला में आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन पंडाल पूर्णतः शिवमय वातावरण में डूबा रहा। कथा के दौरान भगवान शिव एवं माता पार्वती के पावन विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया गया, जिसे सुनकर श्रोतागण भाव-विभोर हो उठे। भूतों की टोली, गण, नंदी और शिवगणों के साथ सजी शिव बारात का जीवंत मंचन आकर्षण का केंद्र रहा, वहीं हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा पंडाल गूंज उठा।

कथा वाचक पंडित शैलेन्द्र जी शास्त्री (शिवकोठी, ओंकारेश्वर) ने शिव–पार्वती विवाह के आध्यात्मिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह विवाह त्याग, तप, समर्पण और संतुलन का प्रतीक है। भगवान शिव वैराग्य के आदर्श हैं, वहीं माता पार्वती गृहस्थ जीवन में प्रेम, धैर्य और कर्तव्य का संदेश देती हैं। दोनों का मिलन यह सिखाता है कि गृहस्थ जीवन में भी साधना, सहनशीलता और परस्पर सम्मान से जीवन को दिव्य बनाया जा सकता है। शिव का भोलापन और पार्वती की करुणा—दोनों मिलकर समाज को संतुलित जीवन का मार्ग दिखाते हैं।

संगीतमय कथा, मधुर भजनों और प्रभावशाली प्रसंगों के कारण श्रोताओं से भरा पंडाल आनंद में झूमता रहा। श्रद्धालुओं में कथा श्रवण को लेकर विशेष उत्साह देखने क ो मिला। आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं आसपास के क्षेत्रों से आए श्रद्धालु शामिल हुए।

आयोजक प्रेमचंद पाटीदार, अभिषेक पाटीदार एवं अंकित (गौरव) पाटीदार द्वारा श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में सहभागी बनने की अपील की गई है। राबड़िया परिवार एवं समस्त ग्रामवासियों ने अतिथियों के स्वागत में सहयोग प्रदान किया।

आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे इस दिव्य अवसर पर सपरिवार पधारकर पुण्य लाभ अर्जित करें।

शिक्षक समस्या निवारण शिविर आयोजित किया

खरगोन ● संवाददाता

खरगोन जनजातीय कार्य विभाग द्वारा विकासखंड स्तरीय शिक्षक समस्या निवारण शिविर का आयोजन देवी अहिल्या उत्कृष्ट उमावि क्रमांक 1 खरगोन में किया गया। शिविर में विकासखंड खरगोन, गोगांवा, सेंगाव,एवं भगवानपुरा के शिक्षकों ने अपनी समस्याओं से विभाग को अवगत कराते हुए उनके निराकरण की मांग रखी। शिविर का शुभारंभ सहायक आयुक्त डॉ कविता आर्य द्वारा किया गया। शिविर में शिक्षकों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु संबंधित विकासखंड के विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं अमला मौजूद रहा। शिविर में खरगोन ब्लाक से 9 आवेदन, सेगांव से 3, गोगावा से 2 एवं भगवानपुरा ब्लाक से 4 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में जिला कार्यालय से विजय जोशी एवं शरद बर्वे लिपिक उपस्थित थे। आगामी शिविर 3 जून को झिरन्या में झिरन्या, भीकनगांव एवं दिनांक 10 जून को महेश्वर में महेश्वर, कसरावद एवं बड़वाह ब्लॉक के शिक्षकों के समाधान हेतु शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

टीईटी शिक्षकों के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट में हुई महत्वपूर्ण सुनवाई,निर्णय सुरक्षित

खरगोन ● संवाददाता

टीईटी शिक्षकों के न्याय एवं अधिकारों को लेकर आज सर्वोच्च न्यायालय में महत्वपूर्ण सुनवाई संपन्न हुई।राज्य शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि सुनवाई के दौरान देश के वरिष्ठ एवं विद्वान अधिवक्ताओं ने अपने-अपने पक्षकारों की ओर से शिक्षकों के हित में अत्यंत मजबूत एवं प्रभावशाली तर्क प्रस्तुत किए।

लगभग दो घंटे से अधिक समय तक न्यायालय में गंभीर बहस और तर्क-वितर्क चलता रहा।उन्होंने बताया कि सुनवाई उपरांत माननीय न्यायमूर्ति दीपंकर दत्ता एवं मनमोहन जी की खंडपीठ ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। फिलहाल न्यायालय द्वारा कोई अंतिम निर्णय नहीं सुनाया गया है।जगदीश यादव ने प्रदेश सहित देशभर के टीईटी शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि सभी साथी धैर्य एवं संयम बनाए रखें। न्यायालय में शिक्षकों के पक्ष को पूरी मजबूती के साथ रखा गया है और हमें सकारात्मक निर्णय की पूर्ण आशा है।उन्होंने कहा कि यह संघर्ष केवल रोजगार का नहीं, बल्कि शिक्षकों के सम्मान, अधिकार और भविष्य का संघर्ष है। यदि किसी कारणवश निर्णय शिक्षकों के पक्ष में नहीं भी आता है, तब भी संघर्ष थमेगा नहीं। शिक्षक समाज सड़क से लेकर संसद तक लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करेगा और अधिकार प्राप्ति तक पीछे नहीं हटेगा।

थाना कोतवाली खरगोन में जप्तशुदा 77 मोटर साइकिलों की नीलामी कार्यवाही सम्पन्न

नीलामी कार्यवाही में 5,57,000 रुपये राजस्व हुआ प्राप्त

खरगोन ● संवाददाता

पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा समस्त जिलों के पुलिस थानों में कई वर्षों से जप्तशुदा वाहनों का समय-समय पर निराकरण एवं नीलामी निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में 01.04.26 से 30.05.26 तक जोन के जिलों में विशेष अभियान चला कर थानों में लावारिस जप्तशुदा वाहनों की निलामी हेतु निर्देश दिये गये है।

निर्देशों के परिपालन में एसपी रविन्द्र वर्मा के निर्देशन व एएसपी शकुन्तला रुहल के मार्गदर्शन में जिला खरगोन के समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व समस्त थाना प्रभारियों को धारा 25 पुलिस एक्ट के अंतर्गत जप्त लावारिस वाहनों की नियमानुसार नीलामी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। थाना कोतवाली खरगोन में पुलिस एक्ट के अंतर्गत जप्त 77 मोटर साइकिलों की नीलामी हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) खरगोन के नायब तहसीलदार विजय उपाध्याय को अधिकृत किया गया। दिनांक 12.05.2026 को थाना कोतवाली खरगोन परिसर में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) खरगोन एवं नायब तहसीलदार के निर्देशन में वाहन नीलामी कार्यवाही सम्पन्न की गई। नीलामी के दौरान कुल 77 मोटर साइकिलों की नीलामी कर कुल पाँच लाख सत्तावन हजार रुपये राजस्व राशि प्राप्त हुई।

मां सीता प्रसाद रोटी ग्रुप द्वारा प्रतिदिन 54 जरूरतमंद व्यक्तियों को भोजन प्रसाद का वितरण किया जाता है

यह क्रम सन 2022 से प्रारंभ हुआ

विजय यादव ने बताया कि उन्होंने अपने घर से 5 भोजन प्रसाद थाली बनाकर वितरण करने का विचार किया0 जिसे वह प्रतिदिन कई दिनों तक करते रहे फिर उन्होंने अपने सभी मित्रों से चर्चा करके इस कार्य में सहयोगी बनने का आग्रह किया यह काम बड़ा पांच भोजन प्रसाद थालियां से थालियां की संख्या बढ़ती गई।

शहर के कई समाजसेवी व्यक्ति देवदूत के रूप में इस कार्य में सहभागी बने आज मां सीता प्रसाद रोटी ग्रुप द्वारा 54 भोजन प्रसाद तालिया का वितरण जरूरतमंद व्यक्तियों को प्रतिदिन किया जाता है। भोजन प्रसाद में दाल चावल सब्जी रोटी मिष्ठान नमकीन फल होता है यह भोग सर्वप्रथम परमपिता परमेश्वर को अर्पण किया जाता है और महाभोग के रूप में जरूरतमंद व्यक्तियों को वितरण किया जाता है। तीज त्यौहार महापुरुषों की जयंती पर विशेष भोजन प्रसाद का वितरण किया जाता है तथा धार्मिक तिथि त्योहार पर भगवान का पूजन अर्चन कर उसे त्यौहार के बारे में संक्षिप्त रूप में आम जनमानस को जन जागरण धार्मिक मान्यताओं का विवरण हमारे युवा लोग हमारे धार्मिक त्योहारों को पहचान सके महापुरुषों की जायंटियों को जान सके उनके कार्यों को जान सके। भोजन प्रसाद का वितरण सेवा के माध्यम से किया जाता है क्योंकि मंदिर जाना और पूजन अर्चन करना तो ठीक है किंतु किसी जरूरतमंद व्यक्तियों की सेवा के माध्यम से मदद करना यह सर्वश्रेष्ठ पूजन है, लेकिन यह सेवा निष्पक्ष भाव से होनी चाहिए जिस प्रकार हम निष्पक्ष भाव से ईश्वर की पूजा करते हैं उसी भाव से किया गया समझ में सेवा कार्य श्रेष्ठ होता है। मां सीता प्रसाद रोटी ग्रुप द्वारा यह सेवा कर हम जरूरतमंद व्यक्तियों को जो असहाय हैं निर्धन है उन्हें दोपहर का भोजन ईश्वर की कृपा से और आम जनमानस के सहयोग से उपलब्ध कराकर ईश्वरी पूजन करते हैं। मां सीता प्रसाद रोटी ग्रुप द्वारा दीपावली महापर्व पर धनतेरस से लेकर दीपावली तक दूर गांव से शहर आए मिट्टी के दीपक एवं खिलौने बेचने आए परिवारों को प्रतिदिन भोजन प्रसाद का वितरण किया जाता है। इस कार्य में समाज से देवदूत के रूप में अशोक मक्कड़ सिद्धार्थ गोलछा एस, एन, रियलिटी मोहित ठाकुर प्रदीप चौहान विजय भारद्वाज शैलेश मिश्रा संजय साहू अनिल मिश्रा राहुल केसरवानी मयाराम जैसवानी डॉ वाणी अहलूवालिया सिद्धेश्वरी सराफ शिखा श्रीवास विजेंद्र जैन अविनाश महावर विक्रम सिंह ठाकुर अशोक गुप्ता सुबोध जैन अमित गुप्ता श्याम रजक आकाश सुमित दुर्गा कमल अमरदीप राहुल कनौजिया राजेश रजक बंटी कोहली पंकज सेन सोनू रजक बबलू गुप्ता शशि संदीप सेन राहुल कश्यप शैंकी रजक प्रमोद केसरवानी जगदीश अग्रवाल गौरव सोनकर सुरेन्द्र सिंह चौहान हनी सेन बल्लू ओटवानी पवन रजक लकी पासी आकाश पासी संजय कोहली अनिल जी श्याम रजक विनोद गुप्ता दीपक रजक गंगा केसरवानी अजय यादव राहुल जैन जी की विशेष भूमिका रहती है

दैनिक सनातन वीर
Reg. No. MPHIN/25A3002
राष्ट्रहित, धर्मरक्षा जनसेवा को समर्पित

संपादकीय

भारतीय अर्थ व्यवस्था का महासंकट

भारतीय अर्थ व्यवस्था को लेकर सरकार लगातार तेज विकास, बढ़ते बुनियादी ढांचे और विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का दावा करती रही है। अब इस दावे की पोल खुलती चली जा रही है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अरुण कुमार ने भारत की अर्थव्यवस्था में आने वाले महा संकट का संकेत किया है, उन्होंने सरकार के चमकदार दावों के पीछे छिपी सच्चाई को उजागर किया है। उनका मानना है, भारत की अर्थव्यवस्था दो हिस्सों में बंट चुकी है। एक संगठित क्षेत्र, जो कॉरपोरेट और शेयर बाजार की वृद्धि को अर्थव्यवस्था में दिखाता है, दूसरा असंगठित क्षेत्र, जहां देश की लगभग 94 प्रतिशत कार्यशक्ति काम करती है, जो लगातार संकट में है। उसकी वास्तविकता सरकार उजागर नहीं करती है। प्रो. अरुण कुमार के अनुसार सबसे बड़ा संकट "मांग मे कमी" आने का है। जब आम लोगों की आय घटती है, रोजगार कम होता है, उस समय सबसे पहले ग्रामीण अर्थव्यवस्था और असंगठित क्षेत्र कमजोर होता है। बाजार में मांग घटती है। इसका सीधा असर उद्योगों के उत्पादन, कारोबार और निवेश पर पड़ता है। यही कारण है कि ऊंची जीडीपी वृद्धि के बावजूद देश मे रोजगार का सृजन नहीं हो रहा। उल्टे नौकरियां जा रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत में बढ़ती बेरोजगारी और असमानता को लेकर कई वर्षों से चिंता जताई जा रही है। अर्थशास्त्री नोटबंदी, जीएसटी और कोरोना महामारी के बाद असंगठित क्षेत्र को जो नुकसान हुआ है उसके बारे में कई बार अपनी चिंता पिछले वर्षों में व्यक्त कर चुके हैं। सरकार ने इस पर विशेष ध्यान नहीं दिया। छोटे व्यापारी, कुटीर उद्योग, किसान और दिहाड़ी मजदूर सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। प्रो. अरुण कुमार का दावा है, सरकारी आंकड़े इस वास्तविक स्थिति को छुपाने का काम करते हैं। आंकड़ों को बदल देते हैं। सही मायने में कहा जाए तो सरकार आंख बंद करके जीडीपी और अर्थव्यवस्था को बेहतर बताकर अपनी पीठ थपथपाने में लगी हुई है। सरकार ने जीडीपी मापन की वर्तमान प्रणाली में असंगठित क्षेत्र की गिरावट को सही ढंग से वास्तविक स्थिति को शामिल नहीं किया है। जिसके कारण देश की आर्थिक स्थिति कागजों में कुछ और है, और वास्तविक स्थिति कुछ और है। वर्तमान स्थिति यह है, शेयर बाजार रिकॉर्ड स्तर पर है। बेरोजगारी लगातार बढ़ती चली जा रही हैं। अर्थव्यवस्था में जो बदलाव आए हैं उसके कारण भारत सहित वैश्विक स्तर पर लोगों की नौकरियां जा रही हैं। भारत के लगभग 80 करोड लोग मुफ्त राशन पर निर्भर हैं। भारत की अर्थव्यवस्था वास्तव में मजबूत होती, तो रोजगार और लोगों की आय में यह परिवर्तन दिखाई देता। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। ग्रामीण क्षेत्र की जो मांग पहले बढ़ रही थी, अब तेजी के साथ घट रही है। महंगाई और आय नहीं होने से मांग में निरंतर कमी आ रही है। युवाओं में बेरोजगारी और कृषि संकट भारत के तथाकथित विकास मॉडल और अर्थव्यवस्था को उजागर कर रहे हैं। अरुण कुमार सहित कई अर्थशास्त्रियों ने लगातार चिंता व्यक्त की है। मांग आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत नहीं किया गया, तो भारत "स्टैगफ्लेशन" जैसी स्थिति में फंस सकता है। इस स्थिति में विकास धीमा होता है, महंगाई लगातार बढ़ती है। जिसके कारण आम आदमी का जीवन दूभर होता है। इस संकट का समाधान बड़े एक्सप्रेस-वे, कॉरिडोर और पूंजी-प्रधान परियोजनाओं से पूरा नहीं हो सकता है। आवश्यकता है, सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, छोटे उद्योग और रोजगार सृजन पर अधिक से अधिक निवेश करे। असंगठित एवं ग्रामीण क्षेत्र की आय बढ़ाने, असंगठित क्षेत्र को ऋण राहत देने तथा श्रम-प्रधान उद्योगों को बढ़ावा देना इस समय की सबसे बड़ी जरूरत है। जब तक आम नागरिकों की क्रय शक्ति नहीं बढ़ेगी। तब तक आर्थिक विकास केवल कागजी उपलब्धि बनी रहेगी। भारतीय अर्थव्यवस्था एक निर्णायक मोड़ पर आकर खड़ी हो गई है। यदि नीति-निर्माताओं और सरकार ने आंकड़ों में हेरा-फेरी करके वास्तविक समस्याओं को नजरअंदाज किया, तो आने वाला संकट और गहरा हो सकता है। अरुण कुमार की चेतावनी सरकार की आलोचना नहीं, बल्कि सामाजिक क्षेत्र में आर्थिक असंतुलन जिस तेजी के साथ बढ़ रहा है। समय रहते सरकार को समझना होगा। सरकार ने यदि अपनी आर्थिक नीतियों में जल्द ही परिवर्तन नहीं किया तो इसके दुष्परिणाम बहुत भयानक हो सकते हैं। अमेरिका में जो 2008 में मंदी आई थी उससे भी ज्यादा खतरनाक स्थिति भारत की हो सकती है।

वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

लेखक - ललित गर्ग

परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है।

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है।

आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और 'मैं' का अहंकार 'हम' की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है।

आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है। वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं। वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे "अहिंसा की प्रयोगशाला" बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पश्चिम एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं। इन वैश्विक संकटों के बीच परिवार ही वह इकाई है जो टूटे हुए मनुष्य को फिर जीने का साहस देती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित नीतियों पर विशेष बल दे रहा है। क्योंकि सतत विकास केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं, बल्कि मजबूत और मूल्यनिष्ठ परिवारों से ही संभव है।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति भी उसका परिवार तंत्र रहा है। यहां परिवार केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य केवल युद्ध कथाएं नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों, संबंधों, कर्तव्यों और त्याग की महान गाथाएं हैं। भारतीय जीवनदृष्टि "वसुधैव कुटुम्बकम्" की बात करती हैकृअर्थात पूरी पृथ्वी ही परिवार है। यदि इस भावना को व्यवहार में उतारा जाए तो युद्ध, हिंसा, आतंक और घृणा की कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज परिवारों में भी उपभोक्तावादी संस्कृति प्रवेश कर चुकी है। रिश्तों को भी लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाने लगा है। सहनशीलता कम हो रही है और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। छोटी-छोटी बातों पर टूटते संबंध इस बात का संकेत हैं कि हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन संवेदना खो दी। जबकि परिवार की असली ताकत संपत्ति नहीं, बल्कि विश्वास होता है। जहां विश्वास बचा रहता है, वहां अभाव भी उत्सव बन जाते हैं; और जहां विश्वास टूट जाता है, वहां वैभव भी बोझ बन जाता है।

आज परिवारों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। घरों में सामूहिक भोजन की परंपरा लौटे, संवाद का समय तय हो, बुजुर्गों के अनुभवों को महत्व मिले, बच्चों को केवल करियर नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा मिले। परिवारों में क्रोध के स्थान पर करुणा, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और अधिकार के स्थान पर कर्तव्य की भावना विकसित करनी होगी। यही परिवार को अहिंसा की प्रयोगशाला बना सकता है। दरअसल, भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई हथियारों की नहीं, मूल्यों की होगी। जिस समाज के परिवार टूट जाएंगे, वहां सामाजिक स्थिरता भी नहीं बचेगी। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। हमें सोचना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया देना चाहते हैंकृघृणा और अकेलेपन की दुनिया या प्रेम और विश्वास की दुनिया? यदि परिवारों में प्रेम, संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और साझेदारी का वातावरण बनेगा तो दुनिया के बड़े से बड़े संकटों का सामना किया जा सकता है। परिवार केवल एक सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का आश्रय है। वह जीवन की तपती धूप में शीतल छांव है, संघर्षों में सहारा है और टूटते विश्वासों के बीच उम्मीद की अंतिम किरण है। इसलिए आज सबसे बड़ी जरूरत हैकृपरिवार को बचाने की नहीं, परिवार के भीतर मानवीय मूल्यों को बचाने की। यही मानवता का भविष्य सुरक्षित करेगा और यही अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस का वास्तविक संदेश भी है।

क्या नीट परीक्षा दोबारा कराने से समस्या हल हो जायेगी?

लेखिका- सौरभ वार्ष्णेय

यदि व्यापक स्तर पर अनियमितता सिद्ध होती है तो पुनर्परीक्षा आवश्यक कदम हो सकता है, लेकिन इसे अंतिम समाधान नहीं माना जा सकता। वास्तविक समाधान परीक्षा प्रणाली में सुधार, जवाबदेही तय करने और छात्रों के विश्वास को पुनर्स्थापित करने में निहित है। केवल परीक्षा दोबारा कराने से नहीं, बल्कि व्यवस्था को ईमानदार और मजबूत बनाने से ही भविष्य सुरक्षित होगा।

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट हर वर्ष लाखों छात्रों के भविष्य का निर्धारण करती है। ऐसे में यदि परीक्षा की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं, पेपर लीक या धांधली की आशंका सामने आती है, तो छात्रों और अभिभावकों में आक्रोश स्वाभाविक है। इसी संदर्भ में यह सवाल उठ रहा है कि क्या नीट परीक्षा दोबारा कराने से समस्या का समाधान हो जाएगा? या इस पर केंद्र सरकार कड़ी कार्रवाई करते हुए ऐसे सिस्टम के नकारा लोगों पर हंटर चलायेगी जिससे इस लीक माफिया पर ऐसा करना भूल जायें।

पहली दृष्टि में पुनर्परीक्षा एक न्यायसंगत कदम प्रतीत होता है। जिन छात्रों ने ईमानदारी से मेहनत की और परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ी के कारण स्वयं को ठगा हुआ महसूस किया, उनके लिए दोबारा परीक्षा एक अवसर बन सकती है। इससे यह संदेश भी जाएगा कि सरकार और परीक्षा एजेंसियां निष्पक्षता के प्रति गंभीर हैं तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

लेकिन समस्या केवल पुनर्परीक्षा तक सीमित नहीं है। यदि व्यवस्था की खामियां जस की तस बनी रहती हैं, तो दोबारा परीक्षा भी नए विवादों को जन्म दे सकती है। लाखों छात्रों पर मानसिक दबाव, अतिरिक्त आर्थिक बोझ और तैयारी की अनिश्चितता का प्रभाव पड़ता है। कई विद्यार्थी पहले ही अत्यधिक तनाव में रहते हैं; पुनर्परीक्षा उनकी मानसिक स्थिति को और कठिन बना सकती है।

असल प्रश्न यह है कि बार-बार परीक्षा कराने की नौबत क्यों आती है? जब तक परीक्षा प्रणाली में तकनीकी सुरक्षा, प्रश्नपत्र की गोपनीयता, परीक्षा केंद्रों की निगरानी और जवाबदेही मजबूत नहीं होगी, तब तक केवल पुनर्परीक्षा स्थायी समाधान नहीं बन सकती। आवश्यकता इस बात की है कि परीक्षा संचालन में आधुनिक तकनीक, सख्त निगरानी और पारदर्शी जांच व्यवस्था लागू की जाए।

साथ ही, दोषियों पर त्वरित और कठोर कार्रवाई भी उतनी ही आवश्यक है। यदि पेपर लीक या भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को राजनीतिक या प्रशासनिक संरक्षण मिलता रहेगा, तो छात्रों का विश्वास लगातार कमजोर होगा। शिक्षा व्यवस्था में विश्वास बनाए रखना किसी भी लोकतंत्र की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

यदि व्यापक स्तर पर अनियमितता सिद्ध होती है तो पुनर्परीक्षा आवश्यक कदम हो सकता है, लेकिन इसे अंतिम समाधान नहीं माना जा सकता। वास्तविक समाधान परीक्षा प्रणाली में सुधार, जवाबदेही तय करने और छात्रों के विश्वास को पुनर्स्थापित करने में निहित है। केवल परीक्षा दोबारा कराने से नहीं, बल्कि व्यवस्था को ईमानदार और मजबूत बनाने से ही भविष्य सुरक्षित होगा।

नीट पेपर लीक करने वालों पर कार्रवाई कब?- लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की मेहनत पर पानी फेरने वाले पेपर लीक गिरोहों के खिलाफ आखिर ठोस कार्रवाई कब होगी, यह सवाल आज पूरे देश में गूंज रहा है। हर वर्ष परीक्षा के बाद पेपर लीक, धांधली और नकल माफिया की खबरें सामने आती हैं, लेकिन कार्रवाई की गति इतनी धीमी रहती है कि लोगों का भरोसा व्यवस्था पर कमजोर पडऩे लगता है।सरकार और जांच एजेंसियां दावा करती हैं कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। कई राज्यों में गिरफ्तारियां भी हुई हैं, कुछ कोचिंग सेंटरों और दलालों पर छापेमारी भी हुई। लेकिन असली चिंता यह है कि क्या केवल छोटे एजेंटों को पकड़ लेने से समस्या खत्म हो जाएगी? जब तक इस पूरे नेटवर्क के बड़े सरगनाओं, भ्रष्ट अधिकारियों और तकनीकी मिलीभगत करने वालों तक जांच नहीं पहुंचेगी, तब तक ऐसे अपराध रुकना मुश्किल है।पेपर लीक केवल एक परीक्षा में गड़बड़ी नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। एक मेहनती छात्र वर्षों तक तैयारी करता है, जबकि कुछ लोग पैसे और पहुंच के दम पर व्यवस्था को कमजोर कर देते हैं। इससे प्रतिभाशाली छात्रों का मनोबल टूटता है और शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होते हैं।जरूरत केवल कार्रवाई की घोषणा करने की नहीं, बल्कि त्वरित और उदाहरण प्रस्तुत करने वाली सजा देने की है। यदि पेपर लीक मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतें बनें, डिजिटल सुरक्षा मजबूत हो, परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी बने और दोषियों की संपत्ति जब्त करने जैसे कठोर कदम उठाए जाएं, तभी वास्तविक डर पैदा होगा। सरकार को यह समझना होगा कि युवाओं का विश्वास किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता पर लगातार प्रश्न उठते रहे, तो यह केवल शिक्षा व्यवस्था ही नहीं, बल्कि देश की प्रतिभा और भविष्य दोनों के लिए गंभीर खतरा बन जाएगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

14 मई को रिलीज होगी तृषा कृष्णन की करुप्पु

तमिल सिनेमा की अभिनेत्री तृषा कृष्णन बहुप्रतीक्षित फिल्म करुप्पु का धमाकेदार ट्रेलर जारी किया गया। इस फिल्म में अभिनेता सूर्या मुख्य भूमिका में हैं, जबकि आरजे बालाजी ने न केवल इसका निर्देशन किया है, बल्कि खलनायक के किरदार में भी नज़र आएंगे। फिल्म 14 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। करुप्पु एक एक्शन से भरपूर कोर्टरूम ड्रामा है, जो एक लंबे समय से लंबित और उपेक्षित पड़े मामले पर आधारित है। ट्रेलर में कानूनी लड़ाई, तीव्र संवाद और दमदार एक्शन दृश्यों का मिश्रण देखने को मिलता है, जो दर्शकों को न्याय और प्रतिशोध के गहन विषय से रूबरू कराएगा। फिल्म का निर्देशन आरजे बालाजी ने बड़ी कुशलता से किया है, जिन्होंने कहानी को दिलचस्प बनाने के लिए हर पहलू पर ध्यान दिया है। ट्रेलर करुप्पु में सूर्या को दो भिन्न और प्रभावशाली अवतारों में प्रस्तुत करता है। एक तरफ वह अदालत के भीतर अपनी बात को मजबूती से रखते हुए वकील की भूमिका में दिखते हैं, तो दूसरी तरफ वह सड़कों पर न्याय के लिए संघर्ष करते हुए नजर आते हैं। वह एक ऐसे मामले को अपने हाथों में लेते हैं जिसे वर्षों से अनदेखा किया जा रहा था। उनका किरदार कानूनी पेचीदगियों से जूझने के साथ-साथ शारीरिक टकरावों में भी शामिल होता है, जो फिल्म की गहनता और रोमांच को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि न्याय की लड़ाई सिर्फ कोर्टरूम तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके बाहर भी एक अलग तरह का संघर्ष जारी है। फिल्म की कहानी एक गंभीर पृष्ठभूमि के साथ शुरू होती है, जहाँ एक वृद्ध व्यक्ति और उसकी पोती न्याय की उम्मीद में बार-बार अदालत के चक्कर लगाते हैं, लेकिन उनके मामले को कभी गंभीरता से नहीं लिया जाता। तृषा कृष्णन भी एक वकील की सशक्त भूमिका में हैं, जो उनकी मदद करने की कोशिश करती हैं। हालांकि, उन्हें डिफेंस काउंसिल यानी आरजे बालाजी से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है, जो अपने किरदार में पूरी तरह से खलनायक के रंग में रंगे हुए दिखते हैं। उनका टकराव फिल्म के ड्रामा को और बढ़ाता है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, सूर्या का किरदार करुप्पु इसमें प्रवेश करता है। वह इस अनदेखे मामले को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से दृढ़ और आश्वस्त दिखाई देता है। उसका संघर्ष केवल कानूनी प्रणाली तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि वह रास्ते में आने वाले हर अवरोधक से भिडऩे को तैयार रहता है। ट्रेलर में उसके कोर्ट में तीखी बहस और बाहर शारीरिक झड़पों की झलक साफ तौर पर दिखाई गई है।

'मॉमीज डे एवरीडे... : अनन्या पांडे

बॉलीवुड फिल्म निर्माता करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म चांद मेरा दिल में बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे अभिनेता लक्ष्य के साथ दिखाई देंगी। इस बीच, मदर्स डे के विशेष अवसर पर, अनन्या ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी मां भावना पांडे के साथ खास रिश्ते की एक दिल छू लेने वाली झलक साझा की।बेहद मजाकिया अंदाज में अभिनेत्री ने बताया कि वह अपनी मां के सिर पर 24 घंटे सातों दिन सवार रहती हैं, जो दर्शाता है कि उनका रिश्ता कितना करीबी और चंचल है। अनन्या ने अपनी पोस्ट में कई तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह अपनी मां भावना पांडे, पिता चंकी पांडे और बहन राइसा पांडे के साथ बेहद प्यारे और खास पल बिताती नजर आईं। अनन्या ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, 'मॉमीज डे एवरीडे... आखिरी फोटो दिखाती है कि मैं अपनी मां के सिर पर 24/7 कैसे बैठी रहती हूं। यह कैप्शन पढ़कर भावना पांडे ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए कमेंट सेक्शन में लिखा, 'लव यू। ' इस प्यारी बातचीत ने फैंस का दिल जीत लिया और पोस्ट पर ढेरों लाइक्स और कमेंट्स आने लगे। जिस तस्वीर का जिक्र अनन्या ने अपने कैप्शन में किया था, वह एक बेहद मजेदार दृश्य को दिखा रही थी। न्यूयॉर्क सिटी की एक सड़क पर ली गई इस तस्वीर में एक पालतू कुत्ता अपने मालिक के सिर पर आराम से बैठा दिखाई दे रहा था। अनन्या ने इस तस्वीर के जरिए अपनी और अपनी मां की बॉन्डिंग को हास्यपूर्ण तरीके से दर्शाया, कि वह अपनी मां के जीवन में कितना महत्वपूर्ण और निरंतर हिस्सा हैं, ठीक वैसे ही जैसे वह कुत्ता अपने मालिक के सिर पर बैठा है। फोटो कैरोसेल की पहली तस्वीर में, अनन्या अपनी मां और बहन के साथ बाहर खुले में पोज देती नजर आईं, जहां वे तीनों बेहद स्टाइलिश और खुश दिख रही थीं। वहीं, एक अन्य तस्वीर में अनन्या और भावना किसी शांत और पवित्र प्रार्थना स्थल में मोमबत्तियां जलाती दिखीं, जो उनके आध्यात्मिक जुड़ाव को दर्शाती थी। एक और तस्वीर में स्वादिष्ट डेसर्ट जैसे कुकीज, आइसक्रीम और पेस्ट्रीज की झलक भी देखने को मिली, जिससे पता चलता है कि वे साथ में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेने से भी नहीं चूकतीं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अनन्या पांडे ने साल 2019 में फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह पति, पत्नी और वो, गहराइयां, ड्रीम गर्ल 2 और हाल ही में खो गए हम कहां जैसी विभिन्न फिल्मों में नजर आई हैं।

'क्या कमाल है को लेकर चर्चा में शरवरी वाघ

अपनी आगामी फिल्म 'क्या कमाल है को लेकर अभिनेत्री शरवरी वाघ लगातार चर्चा में हैं। हाल ही में फिल्म का नया रोमांटिक गीत 'मस्कारा रिलीज हुआ है, जिसने दर्शकों के बीच खास जगह बना ली है। इस गाने में शरवरी का अंदाज पुराने दौर की बॉलीवुड अभिनेत्रियों के रोमांस की याद दिला रहा है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अभिनेत्री ने इस गाने की शूटिंग के दौरान के कुछ खास बीटीएस पल साझा किए। अभिनेत्री ने पोस्ट के जरिए निर्देशक इम्तियाज अली के साथ काम करने के अनुभव को बेहद खास बताया। उन्होंने लिखा कि शूटिंग के दौरान वह और इम्तियाज अली एक खास एहसास को 'किस-मिस यारा कहा करते थे। शरवरी के अनुसार यह एक मजेदार शब्द है, जो पहली बार प्यार में पडऩे पर महसूस होने वाली मीठी, हल्की और गुदगुदाने वाली भावना को दर्शाता है। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म में उनका किरदार 'जिया कई बार इसी तरह के भावनात्मक और मासूम एहसासों से गुजरता है। उन्होंने कहा कि गाने में उनका नटखट और शरारती अंदाज दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। शरवरी ने यह भी बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना उनके लिए सीखने वाला अनुभव रहा। उन्होंने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अभिनय की उन बारीकियों को समझने में मदद की, जिनके बारे में वह पहले खुद भी नहीं जानती थीं। शरवरी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि उन्होंने इम्तियाज अली को देखकर भावनाओं को समझने और कहानी कहने की कला के बारे में बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने निर्देशक का आभार जताते हुए कहा कि उन पर भरोसा करने और हर कदम पर मार्गदर्शन देने के लिए वह हमेशा उनकी शुक्रगुजार रहेंगी। 'मस्कारा गाने में शरवरी का लुक बेहद क्लासी और आकर्षक रखा गया है। गाने की रोमांटिक धुन, खूबसूरत लोकेशंस और मासूम केमिस्ट्री ने सोशल मीडिया पर इसे तेजी से लोकप्रिय बना दिया है। इस गीत को वेदांग रैना और नीलांजना घोष दस्तीदार ने आवाज दी है।

संजना पांडे ने अवॉर्ड जीतकर बढ़ाया भोजपुरी का मान

अपनी दमदार अभिनय क्षमता से भोजपुरी अभिनेत्री संजना पांडे ने फिर दर्शकों और समीक्षकों का दिल जीत लिया है। अभिनेत्री को हाल ही में 'जी भोजपुरी 2026 अवॉर्ड समारोह में उनकी चर्चित फिल्म 'कलेक्टर साहिबा के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री और 'बहुमुखी अभिनेत्री के सम्मान से नवाजा गया। इस उपलब्धि के बाद अभिनेत्री ने अपनी खुशी सोशल मीडिया के जरिए प्रशंसकों के साथ साझा की और पूरी टीम के प्रति आभार जताया। संजना पांडे ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पुरस्कार समारोह की कई तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह ट्रॉफी के साथ बेहद भावुक और गर्वित नजर आ रही थीं। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि यह सम्मान उनके लिए केवल एक अवॉर्ड नहीं, बल्कि जिंदगी का बेहद खास और भावनात्मक पल है। अभिनेत्री ने कहा कि जिस बिहार की मिट्टी में उन्होंने जन्म लिया और परवरिश पाई, उसी धरती पर सम्मानित होना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। अभिनेत्री ने अपनी सफलता का श्रेय पूरी टीम को देते हुए फिल्म के निर्देशक इश्तियाक शेख बंटी और सह-कलाकार गौरव झा का विशेष धन्यवाद किया। इसके अलावा उन्होंने फिल्म के लेखक अरविंद तिवारी सहित सभी कलाकारों और तकनीकी टीम के प्रति भी आभार व्यक्त किया। संजना ने कहा कि टीमवर्क, विश्वास और सभी के सहयोग के बिना यह मुकाम हासिल करना संभव नहीं था। अपने संदेश में संजना पांडे ने परिवार, दर्शकों और ईश्वर का भी धन्यवाद किया। उन्होंने लिखा कि जब कोई कलाकार पूरी मेहनत, ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करता है, तो उसकी मेहनत एक न एक दिन जरूर पहचानी जाती है। उन्होंने भोजपुरी भाषा और समाज के प्रति गर्व व्यक्त करते हुए 'जय भोजपुरी, जय भोजपुरी समाज का संदेश भी दिया। फिल्म 'कलेक्टर साहिबा को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला था।

ईशान ने द रॉयल्स के एक साल पूरे होने पर किया यादों को ताजा

बीते साल ओटीटी सीरीज द रॉयल्स ने रिलीज होते ही युवाओं के बीच जबर्दस्त क्रेज बनाई थी। इस सीरीज को रिलीज हुए अब एक साल पूरा हो चुका है। अभिनेता ईशान खट्टर ने इस असवसर पर सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट किया।

उन्होंने सीरीज से जुड़ी कई अनदेखी तस्वीरें और वीडियो साझा करते हुए शूटिंग के दिनों को याद किया। साथ ही उन्होंने फैंस के प्यार और समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद भी कहा। ईशान खट्टर ने इंस्टाग्राम पर द रॉयल्स के सेट से जुड़े कई खास पल साझा किए। इन तस्वीरों और वीडियो में कलाकारों की मस्ती, शूटिंग के दौरान की मेहनत और पूरी टीम के बीच की शानदार दोस्ती साफ नजर आ रही है। इसके अलावा, इनमें शूटिंग के दौरान की तैयारियां, मुश्किल सीन्स और टीम के साथ बिताए गए इमोशनल पल भी इन झलकियों में शामिल हैं। पोस्ट के साथ ईशान ने कैप्शन में लिखा, द रॉयल्स को आज एक साल पूरा हो गया है और अब भी मुझे दर्शकों के ढेर सारे मैसेज और प्यार भरे नोट मिल रहे हैं। फैंस का यह प्यार मेरे लिए बहुत खास है और यही मुझे आगे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है। आने वाले समय में दर्शकों को और भी रोमांचक चीजें देखने को मिल सकती हैं। द रॉयल्स साल 2025 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इस सीरीज में ईशान खट्टर के साथ भूमि पेडनेकर, जीनत अमान, साक्षी तंवर, नोरा फतेही, विहान समत, डिनो मोरिया और मिलिंद सोमन जैसे कलाकार नजर आए थे। सीरीज की कहानी एक ऐसे शाही परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पैसों की तंगी से जूझ रहा है। परिवार की किस्मत तब बदलती है, जब राजघराने का वारिस एक होटल कारोबारी के साथ मिलकर अपने पुराने महल को आलीशान रिसॉर्ट में बदलने की प्लानिंग करता है।

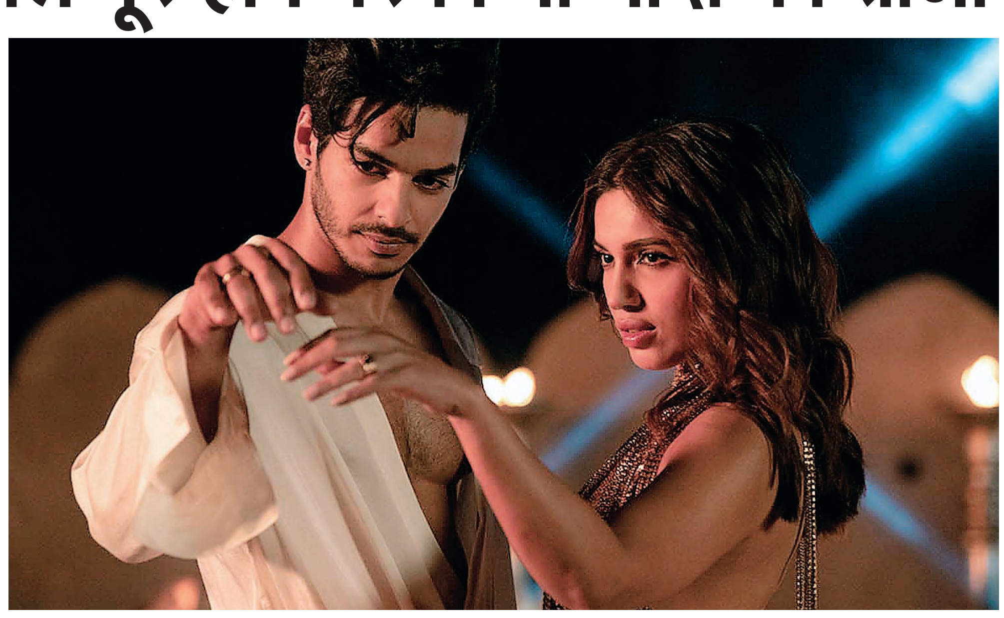

न्यूज ब्रीफ

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटा दिया जाना चाहिये : मांजरेकर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने संजय मांजरेकर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इसे हटा दिया जाना चाहिये। मांजरेकर के अनुसार इस नियम से खिलाडि ों के ऑलराउंड विकास में बाधा आ रही है क्योंकि खिलाड़ी एक ही काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस नियम के तहत ज्यादातर खिलाडि ों को बल्लेबाज के रुप में रखा जाता है। जिससे उनको केवल बल्लेबाजी का ही अनुभव होता है जबकि खेल में सभी क्षेत्रों का अनुभव होना जरुरी है। इ से पहले भी कई दिग्गजों ने स नियम पर सवाल उठाये थे। अधिक लोगों का मानना है कि यह नियम मुख्य रुप से बल्लेबाजों को ही फायदा पहुंचा रहा है और खेल में संतुलन बिगाड़ रहा है। मांजरेकर ने कहा, मैं अब यह सोचने लगा हूं कि हमें इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट नियम समाप्त कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे किसी भी बल्लेबाज का एक ही पक्ष सामने आता है।वहीं एक क्रिकेटर केवल बल्लेबाजी नहीं क्योंकि उसे फील्डिंग भी करनी होती है। मांजरेकर ने कहा कि खेल का असली दबाव और उसकी समझ मैदान पर फील्डिंग करने से ही आती है।

जीत से उत्साहित शुभमन बोले हालातों के अनुसार बनाते हैं रणनीति

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2026 मुकाबले में मिली जीत पर खुशी जतायी है। शुभमन ने कहा कि टीम को ये शानदार जीत गेंदबाजों के बेहतर प्रदर्शन से मिली है। गुजरात ने जिस प्रकार से इस सत्र में उतार-चढ़ाव के बाद शीर्ष पर स्थान बनाया है उससे भी प्रशंसकों ने उसकी सराहना की है। वहीं शुभमन ने कहा कि उनकी टीम ने किसी खासा शैली को नहीं अपनाया है, उनकी टीम हालातों के अनुसार रणनीति बनाती है। इसी के साथ ही गुजरात ने लगातार पांचवां मुकाबला जीता। मैच के बाद शुभमन ने कहा, हमें अच्छी तरह पता था कि इस विकेट पर 170 का स्कोर बनाना काफी कठिन होगा और उसका बचाव करना उससे भी मुश्किल रहेगा। हमारे गेंदबाजों ने इस दौरान जबरदस्त खेल दिखाया। हमने मैच से पहले अपनी गेंदबाजी रणनीति को लेकर एक स्पष्ट योजना बनाई थी, जिसपर अमल करने में हम सफल रहे। विशेष रुप से देखा जाये तो हमारी गेंदबाजी बेहतीन रही। उन्होंने बल्लेबाजों साई सुदर्शन 61 और वाशिंगटन सुंदर 50 के अर्धशतकों की भी प्रशंसा की है।

काउंटी चैम्पियनशिप में सफल वापसी के साथ ही स्टोक्स ने साबित की फिटनेस

न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ खेलने के लिए हैं तैयार

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने चोट से वापसी करते हुए काउंटी चैम्पियनशिप में अच्छी गेंदबाजी कर साबित कर दिया है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह से फिट हैं। स्टोक्स की वापसी से इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने राहत की सांस ली है। टीम को आने वाले समय में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ खेलना है। ऐसे में स्टोक्स की वापसी से घरेलू टेस्ट सीरीज के दौरान इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी बेहतर होगी। जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड जैसे स्टार खिलाड़ियों के संन्यास के बाद से ही स्टोक्स की भूमिका और भी अहम हो जाती है। स्टोक्स ने डरहम काउंटी क्रिकेट क्लब की ओर से वॉर्सेस्टरशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के खिलाफ डिवीजन टू मुकाबले में खेला है। चोट से वापसी के बाद से ही यह उनका पहला प्रतिस्पर्धी मैच था। इंग्लैंड का इस साल एक व्यस्त घरेलू टेस्ट सत्र है, जिसमें उसे आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के तहत जून में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट और अगस्त-सितंबर में पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट खेलने हैं। ऐसे में तेज गेंदबाजी विकल्पों की कमी को देखते हुए, स्टोक्स को इन महत्वपूर्ण श्रृंखलाओं के दौरान नई गेंद से गेंदबाजी करते हुए देखा जा सकता है। एंडरसन, ब्रॉड और क्रिस वोक्स के संन्यास के बाद, टीम अभी भी एक आदर्श नई गेंद के आक्रमण की तलाश में है।

कोहली बने चेज मास्टर... शतक जड़कर केकेआर से छीन ली जीत, 16 अंक लेकर टॉप पर पहुंची आरसीबी

रायपुर ● एजेंसी

बारिश की बूंदाबांदी और गीली आउटफील्ड भी उस तूफान को नहीं रोक सकी, जो बुधवार की रात रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आने वाला था. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने अपनी क्लास और फॉर्म का ऐसा मुजाहिरा पेश किया कि कोलकाता नाइट राइडर्स के अरमान धरे के धरे रह गए. कोहली के नाबाद 105 रनों की बदौलत आरसीबी ने केकेआर को छह विकेट से मात देकर न केवल इस सीजन की आठवीं जीत दर्ज की, बल्कि आईपीएल 2026 की अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर भी कब्जा कर लिया.

पिछले दो मैचों में शून्य पर आउट होने वाले कोहली के लिए यह मैच किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं था. लेकिन बड़े खिलाड़ी बड़ी परिस्थितियों में ही निखरते हैं. कोहली ने अपनी पारी की पहली ही गेंद पर रन बनाने के बाद जिस तरह मुट्ठी भींची, उसने उनके इरादे साफ कर दिए थे. उन्होंने महज 60 गेंदों में 11 चौकों और 3 छक्कों की मदद से अपना शानदार शतक पूरा किया. इस पारी के साथ ही कोहली ने इतिहास के पन्नों में अपना नाम फिर से स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करा लिया. इस दौरान उन्होंने टी20 में अपने 14000 रन पूरे किए.इस मुकाम पर पहुंचने वाले वह भारत के पहले बल्लेबाज बने.कोहली ने साल 2023 के बाद आईपीएल में पहला शतक जड़ा.

केकेआर की खराब फील्डिंग और कोहली का जीवनदान : कहते हैं कि क्रिकेट में 'कैच छोड़ो, मैच छोड़ो'. केकेआर ने भी यही गलती की. जब कोहली 21 रन पर खेल रहे थे, तब रोवमैन पॉवेल ने उनका एक आसान सा कैच टपका दिया. यह जीवनदान केकेआर के लिए काल बन गया. इसके बाद कोहली ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और 32 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा करने के बाद गियर बदला. दूसरे विकेट के लिए उन्होंने देवदत्त पडिक्कल (27 गेंद, 37 रन) के साथ 92 रनों की बेशकीमती साझेदारी की, जिसने जीत की नींव रखी.

केकेआर की पारी में रघुवंशी और रिंकू का संघर्ष : इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर की शुरुआत धीमी रही. बारिश के कारण मैच 75 मिनट देरी से शुरू हुआ, जिससे आउटफील्ड गीली थी. भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड ने शुरुआती झटके देकर केकेआर को बैकफुट पर धकेल दिया था. लेकिन युवा अंगकृष रघुवंशी ने एक बार फिर प्रभावित किया. 21 वर्षीय रघुवंशी ने 46 गेंदों में 71 रनों की पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 3 छक्के शामिल थे. उन्होंने कैमरन ग्रीन (32) के साथ 68 रन और फिर विस्फोटक रिंकू सिंह के साथ 76 रनों की साझेदारी की. रिंकू सिंह ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए नाबाद 49 रन बनाए, हालांकि वह अपने अर्धशतक से महज एक रन दूर रह गए. इन पारियों की बदौलत केकेआर ने 4 विकेट पर 192 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया था.

मुंबई इंडियंस को हराकर प्लेऑफ की उम्मीदें मजबूत करना चाहेगी पंजाब

धर्मशाला ● एजेंसी

पंजाब किंग्स की टीम आईपीएल मुकाबले में गुरुवार को यहां मुम्बई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस सत्र की शुरुआत में नंबर एक पर रही पंजाब की टीम पिछले चार मैच में लगातार हार से अंक तालिका में चौथे स्थान पर खिसक गयी है। उसके अब तक 13 अंक हैं, ऐसे में प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे ये मैच हर हाल में जीतना होगा।

कप्तान श्रेयस अय्यर की पंजाब के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं पर उसे पिछले मैचों में की गयी गलतियों से बचना होगा। उसके ऊपर दबाव भी रहेगा और ऐसे में अब देखना होगा कि वह किस प्रकार से खेलती है। इस मैच में उसे अपनी गेंदबाजी और फील्डिंग में जल्द से जल्द सुधार करना होगा। पिछले मैच में उसे इन दोनो क्षेत्रों की कमजोर से हार का सामना करना पड़ा था। उसे प्लेऑफ में जगह बनाने बचे हुए दो मैचों को हर हाल में जीतना होगा। टीम का अब तक का सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उसे शुरुआत में लगातार जीत मिली पर फिर टीम एकाएक हारने लगी। टूर्नामेंट के पहले भाग में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से गेंदबाजी विभाग की कमजोरियां नजर नहीं आई पर बल्लेबाजी के असफल होने ही टीम हारने लगी। दिल्ली के खिलाफ मैच में टीम जीत के करीब पहुंच गई थी पर अंतिम पांच ओवरों में तेज गेंदबाज अपनी लेंथ बरकरार नहीं रख पाये। अर्शदीप सिंह सहित अन्य गेंदबाजों का इकॉनमी रेट सबसे खराब रहा है। जहां पहले हाफ में जेवियर बार्टलेट और अर्शदीप ने नई गेंद से अच्छा संयोजन प्रदान किया। वहीं लॉकी फर्ग्यूसन की वापसी के बाद इसमें अस्थिरता देखने को मिली है। पंजाब ने पिछले मैच में बेन ड्वार्शियस सहित बाएं हाथ के तीन तेज गेंदबाजों को मैदान पर उतारा पर ये सभी महंगे साबित हुए। अर्शदीप ने जिन 11 मैचों में हिस्सा लिया है, उनमें से अधिकांश में उन्होंने प्रति ओवर 10 से अधिक रन दिए हैं। इसके अलावा टीम की फील्डिंग भी खराब रही है। वहीं अगर पंजाब की बल्लेबाजी की बात करें तो प्रभसिमरन सिंह को निरंतरता रखते हुए लंबी पारी खेलनी होगी जिससे वह शीर्ष क्रम में प्रियांश आर्य के साथ बड़ी साझेदार कर सकें। टीम ने पिछले मैचों में काफी कैच छोड़े हैं जिससे भी टीम को नुकसान हुआ है। वहीं दूसरे और मुंबई इंडियंस पहले ही पलेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में वह इस मैच में बिना किसी दबाव के उतरेगी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करने उतरनेंगे। ऐसे में वह बेहतर प्रदर्शन कर पंजाब के प्लेऑफ का समीकरण बिगाड़ सकती है। जिसको ध्यान में रखते हुए पंजाब को सतर्क रहना होगा। मुम्बई के कप्तान हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए थे और इस मैच में उनके उतरने की संभावना है।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शियस, पाइला अविनाश, विष्णु विनोद, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद।

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, रियान रिकेल्टन, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, राज बावा, विल जैक, कॉर्बिन बॉश, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, अश्विनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, मयंक मारकंडे, शार्दुल ठाकुर, क्विंटन डीकॉक, दानिश मालेवार, अथर्व अंकोलेकर, एएम $गज़न$फर, मयंक रावत, रघु शर्मा, मोहम्मद सलाउद्दीन इज़हार, रॉबिन मिंज।

टी20 क्रिकेट में बल्लेबाज हो रहे हावी, गेंदबाजों को करने होंगे बदलाव : द्रविड़

डबलिन ● एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि आजकल के क्रिकेट जिस दौर में पहुंच गया है वहां बल्लेबाज हावी नजर आते हैं और गेंदबाजों की भूमिका उनके मुकाबले कमजोर नजर आती है। द्रविड़ के अनुसार इस प्रकार के हालातों में अपना दबदबा फिर से बनाने के लिए गेंदबाजों को अपने में बदलाव करना होगा। तभी वे बदलते हुए दौर में टिक पायेंगे। इस पूर्व कप्तान मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में बल्लेबाजों ने खेल को पूरी तरह से बदल दिया है, जबकि गेंदबाज अभी भी उस स्तर तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। डबलिन में यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान द्रविड़ ने कहा कि टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी का स्तर लगातार ऊंचा होता जा रहा है। साथ ही कहा, पिछले दो-तीन साल में बल्लेबाजी में जिस तरह का बदलाव आया है, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि गेंदबाजों को उस स्तर तक पहुंचने के लिए अब काफी मेहनत करनी होगी। द्रविड़ ने विशेष रूप से युवा भारतीय बल्लेबाजों की भी प्रशंसा करते हुए कहा है कि इन लोगों ने पावरप्ले में बल्लेबाजी के अंदाज को ही बदल दिया है। उन्होंने अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, आयुष मात्रे और प्रियांश आर्य जैसे खिलाडि़यों का जिक्र किया, जो अब मैदान के हर हिस्से में बड़े शॉट खेलते हैं। द्रविड़ ने साथ ही कहा कि आजकल बल्लेबाजी कौशल, छक्के लगाने की क्षमता और मैदान के अलग-अलग हिस्सों में शॉट खेलने की कला पहले से कहीं बेहतर हुई है, जिसने गेंदबाजों को परेशानी में डाल दिया है। साथ ही कहा कि आज के इस दौर में गेंदबाजों को भी विविधता लानी होगी । उन्होंने कहा, अगर संतुलन की बात करें तो फिलहाल बल्लेबाज, गेंदबाजों की तुलना में टी20 क्रिकेट की मांगों के हिसाब से ज्यादा बेहतर तरीके से ढले हैं। हालांकि, द्रविड़ को उम्मीद है कि आने वाले समय में गेंदबाज इसका सामना बेहतर तरीके से कर सकेंगे। द्रविड़ ने इस बात पर भी जोर दिया कि सपाट पिचों पर गेंदबाजों के लिए लगातार सफल होना आसान नहीं है और उन्हें कुछ अतिरिक्त सहायता की जरूरत होगी। इसके लिए विकेट को थोड़ा चुनौतीपूर्ण बनाना होगा ताकि गेंदबाजों को भी सहायता मिले। साथ ही कहा कि कोई भी ऐसा बदलाव जो गेंदबाजों की सहायता करें वह किया जाना चाहिये। तभी गेंद और बल्ले में संतुलन आयेगा। उन्होंने कहा कि क्रिकेट पूरी तरह से बल्लेबाजों या गेंदबाजों के पक्ष में झुका नजर नहीं आना चाहिये। उन्होंने खेल में संतुलन के महत्व पर बल दिया और कहा, हम नहीं चाहते कि संतुलन किसी एक तरफ बहुत ज्यादा झुक जाए। खेल तभी रोमांचक होगा जब दोनो के बीच संतुलन रहेगा।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले से पहले अकेले अभ्यास करते दिखे पांड्या

मुंबई ● एजेंसी

मुम्बई इंडियंस टीम का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। टीम को अब गुरुवार को बचे हुए लीग मैच में पंजाब किंग्स से खेलना है। मुम्बई की टीम इस मैच में जीत के साथ ही अपना खोया मनोबल हासिल करने का प्रयास करेगी। टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन भी इस सत्र में अच्छा नहीं रहा और वह आलोचकों के निशाने पर हैं। पांड्या फिट नहीं होने के कारण पिछले दो मैचों से बाहर थे। अब उनका लक्ष्य गुरुवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर लय हासिल करना चाहेंगे। इसी को देखते हुए पांड्या अकेले ही नेट्स में अभ्यास करते दिखे। इससे साफ है कि वह पंजाब के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। इससे टीम और प्रशंसकों के बीच उम्मीदें जगी हैं। हालांकि फ्रेंचाइजी ने अभी तक उनकी उपलब्धता पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। पांड्या ने अभ्यास का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी कर अपने फिट होने के संकेत दिये हैं। हार्दिक इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच में नहीं उतरे थे। पीठ की समस्या के कारण उनकी अनुपस्थिति ने टीम के संतुलन और प्रदर्शन को काफी प्रभावित किया है, खासकर जब टीम इस सीजन में लगातार संघर्ष कर रही है। अब, पंजाब किंग्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले उनके नेट्स में बल्लेबाजी अभ्यास करते हुए देखा जाना उनके फिटनेस हासिल करने का एक सकारात्मक संकेत है। मुंबई पहले ही आईपीएल 2026 के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है, जिसके बाद टीम के भीतर और बाहर कई सवाल उठे हैं। इन हालातों के बीच, पांड्या ने टीम के भविष्य और रणनीति पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, टी20 क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आना तय है। जब सीजन खत्म हो जाएगा, तब सही समय होगा कि क्या गलत हुआ, इसका सही आकलन किया जाए। लेकिन इस समय मेरी राय है कि सीनियर खिलाडि़यों ने अपनी पूरी कोशिश की है। पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाला यह मैच मुंबई इंडियंस के लिए अंक तालिका में केवल एक औपचारिकता है। मुंबई का लक्ष्य अब सम्मानजनक प्रदर्शन करते हुए अपने अभियान का अंत करना होगा, जिससे अगले सीजन के लिए एक मजबूत नींव रखी जा सके। दूसरी ओर, चार लगातार हार झेल चुकी सैम कुरेन की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है। पंजाब को अपनी स्थिति सुधारने और टूर्नामेंट में कुछ सकारात्मक हासिल करने के लिए जीत की सख्त जरूरत है।

बॉटम

खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के कुल राजस्व का बड़ा हिस्सा मिले

टेनिस खिलाड़ी पुरस्कार राशि के मामले में अब पीछे नहीं हटेंगे : पेगुला

रोम ● एजेंसी

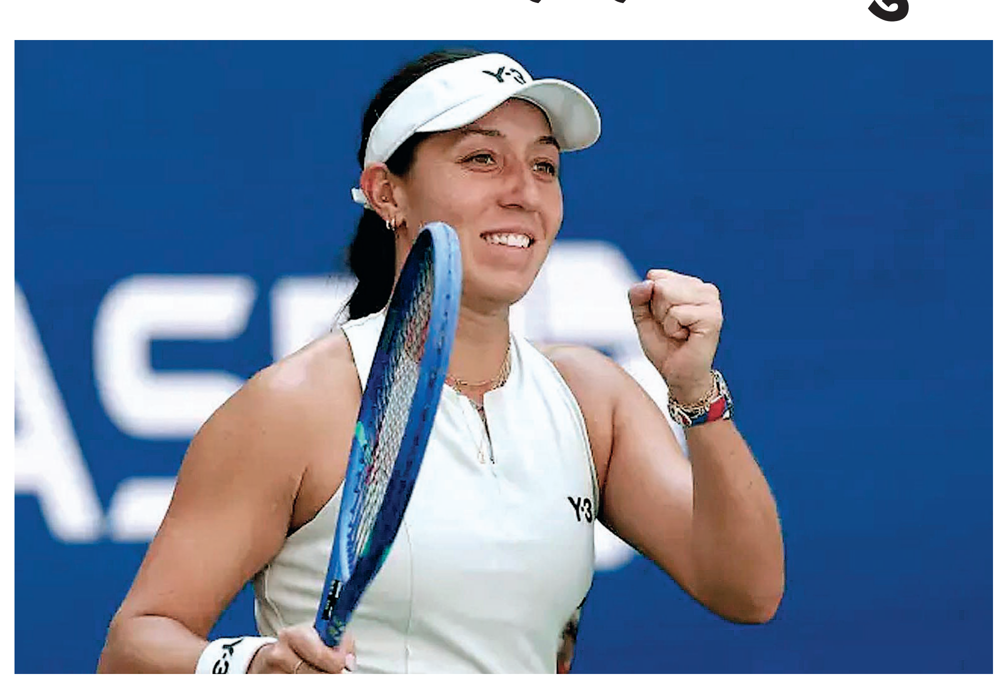

टेनिस जगत में खिलाडि़यों की पुरस्कार राशि बढ़ाने की मांग अब जोर पकडऩे लगी है। अब इस अभियान का नेतृत्व कर रही अमेरिकी महिला टेनिस खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने कहा है कि खिलाड़ी अब अपनी इस मांग से पीछे नहीं हटेंगे। पेगुला ने कहा कि यह सही समय है जब खिलाडि़यों को टूर्नामेंट के कुल राजस्व में एक बड़ा मिलना चाहिए। वहीं इससे पहले विश्व नंबर-1 पुरुष टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर और महिला वर्ग की नंबर-1 खिलाड़ी एरीना सबालेंका ने भी कहा था कि पुरस्कार राशि बढ़ायी जानी चाहिये। गई है। पेगुला खिलाडि़यों को इस मामले को लेकर एक मंच पर लाने का प्रयास भी कर रही हैं। । उन्होंने कहा कि खिलाडि़यों से इस मामले में सीधे बात करने और उन्हें एकसाथ लाने में उन्हें कोई परेशानी नहीं है। पेगुला ने कहा, मैं किसी भी खिलाड़ी के पास जाकर पूछ सकती हूं कि क्या वह इस मामले में हमसे सहमत है या नहीं । साथ ही कहा कि कुछ खिलाड़ी शायद इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देते पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी पूरी तरह से समर्थन में हैं। वह पुरुष और महिला दोनों वर्गों के खिलाडि़यों से लगातार संपर्क कर रही हैं और उन्हें इस अभियान में शामिल कर रही हैं। पेगुला ने संकेत दिया कि अन्य प्रमुख पेशेवर खेलों की तुलना में टेनिस खिलाडि़यों को उनके योगदान के बदले काफी कम हिस्सा मिलता है। उन्होंने एनएफएल (नेशनल फुटबॉल लीग) और एनएचएल (नेशनल हॉकी लीग) जैसी लीगों का उदाहरण देते हुए कहा कि उसमें खिलाडि़यों को लीग के कुल राजस्व का लगभग 50 फीसदी हिस्सा मिलता है। इसके विपरीत, अधिकतर टेनिस टूर्नामेंटों में खिलाडि़यों का यह हिस्सा बहुत कम रहता है। खिलाडि़यों द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, फ्रेंच ओपन जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भी खिलाडि़यों को कुल राजस्व का 14.9 फीसदी से भी कम हिस्सा मिलता है, जो कि अन्य खेलों की तुलना में एक बड़ा अंतर है। वहीं पिछले सप्ताह बेलारुस की, एरीना सबालेंका ने भी इस मामले को उठाया था और कहा था कि यदि खिलाडि़यों को उनका उचित हिस्सा नहीं मिलता, तो उन्हें बहिष्कार जैसे कड़े कदमों पर भी विचार करना चाहिए। वहीं यानिक सिनर ने टूर्नामेंट आयोजकों पर खिलाडि़यों के प्रति सम्मान की कमी का आरोप लगाया था। पेगुला ने इन दोनों शीर्ष खिलाडि़यों के समर्थन की सराहना करते हुए कहा कि जब दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी किसी मुद्दे पर खुलकर बोलते हैं, तो उनकी बात को नजरअंदाज करना असंभव हो जाता है। उनका समर्थन इस अभियान को एक मजबूत आवाज देता है।

न्यूज ब्रीफ

श्रीनगर में लश्कर के दो मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो-टॉलरेंस नीति के तहत श्रीनगर के बाबा डेम इलाके में लश्कर-ए-तैयबा के दो सक्रिय मददगारों को गिरफ्तार किया है। रुटीन नाका चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल सवार इन संदिग्धों को रोककर जब तलाशी ली गई, तो उनके पास से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक पिस्तौल, तीन मैगजीन, 21 कारतूस, दो मोबाइल फोन और लश्कर-ए-तैयबा के 10 धमकी भरे पोस्टर जब्त किए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान फैसल अहमद भट (निवासी मलपोरा हब्बाकदल) और फैसल अहमद गुरु (निवासी राजोरी कदल) के रुप में हुई है। पुलिस ने इनके खिलाफ यूएपीए और आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। प्राथमिक पूछताछ में खुलासा हुआ है कि दोनों आरोपी क्षेत्र में लश्कर के आतंकियों के लिए काम कर रहे थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घाटी में आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पिछले 25 दिनों में कश्मीर के विभिन्न इलाकों से अब तक 16 आतंकी मददगारों को दबोचा जा चुका है।

ममता ने कहा-अकेले आए थे, अकेले ही जाना है

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्वे की ऐतिहासिक जीत के साथ ही राज्य में ममता बनर्जी का 15 साल पुराना शासन समाप्त हो गया है। तृणमूल कांग्रेस की इस बड़ी हार और सत्ता गंवाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अब एक अलग ही भावनात्मक और कूटनीतिक अंदाज में नजर आ रही हैं। चुनाव परिणामों के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी लिखी एक कविता साझा की है, जिसका शीर्षक है ब्रेव यानी बहादुर। इस कविता के माध्यम से उन्होंने न केवल हार से निराश कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने की कोशिश की है, बल्कि जीवन के शाश्वत सत्य का भी उल्लेख किया है। ममता बनर्जी ने अपनी कविता में संदेश दिया है कि असली ताकत इंसान के भीतर होती है। उन्होंने लिखा, बहादुर और मजबूत बनो। अगर आपको खुद पर भरोसा है, तो दुनिया की कोई ताकत आपको छू नहीं सकती। आपकी ताकत आपके भीतर है, इसे गरिमा के साथ बनाए रखें। कायर हमेशा कायर ही रहेंगे, लेकिन मजबूत लोग हमेशा टिके रहते हैं।

मणिपुर में चर्च नेताओं की हत्या : हिंसा, तनाव और राष्ट्रीय राजमार्ग बंद

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में बुधवार को थाडौ बैपटिस्ट एसोसिएशन (टीबीए) के तीन चर्च नेताओं की अज्ञात हथियारबंद लोगों द्वारा गोली मारकर हत्या की गई, जिससे पूरे इलाके में गहरा तनाव और दहशत फैल गई है। इस बर्बर हमले में पांच अन्य लोग घायल भी हुए हैं, जिनका इलाज अस्पताल में जारी है। मृतकों की पहचान मणिपुर बैपटिस्ट कन्वेंशन (एमबीसी) के पूर्व महासचिव रेव. वी. सितल्होउ, रेव. वी. कैगौलुन और पास्टर पाओगौलेन के रुप में हुई है। घायल हुए लोगों में रेव. एसएम हाओपु, रेव. हेकाई सिमटे, रेव. पाओथांग और दो ड्राइवर लेलें व गौमांग शामिल हैं। ये सभी चुराचांदपुर जिले के लमका में आयोजित टीबीए सम्मेलन से दो वाहनों में कांगपोकपी लौट रहे थे, तभी कोतजिम और कोतलेन इलाकों के बीच उन पर अचानक फायरिंग की गई, जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस जघन्य वारदात के बाद गुस्साए लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-2 (एनएच-2) को पत्थर और लकडि ां लगाकर अवरुद्ध कर दिया। एनएच-2 मणिपुर को नागालैंड सहित देश के अन्य हिस्सों से जोड ` वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है, जिसके बंद होने से आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।मणिपुर में चर्च नेता सिर्फ आध्यात्मिक मार्गदर्शक नहीं होते, बल्कि वे सामाजिक और राजनीतिक मामलों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बहुमत से 36 ज्यादा मिले मत, गठबंधन के साथ बागी विधायकों ने भी दिया समर्थन

तमिलनाडु विधानसभा में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने जीता विश्वास मत

चेन्नई ● एजेंसी

तमिलनाडु की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को राज्य विधानसभा में विश्वास मत हासिल कर लिया है। हालिया चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने सदन के पटल पर अपनी मजबूती साबित कर दी। 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 118 विधायकों के समर्थन की आवश्यकता थी, जिसके मुकाबले विजय सरकार के पक्ष में 144 वोट पड़े।विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही मुख्यमंत्री विजय ने विश्वास प्रस्ताव पेश किया, जिसे कांग्रेस, सीपीआई, सीपीआई (एम), वीसीके और आईयूएमएल जैसे प्रमुख गठबंधन सहयोगियों का औपचारिक समर्थन प्राप्त हुआ। हालांकि, सदन में सबसे बड़ा उलटफेर तब देखने को मिला जब मुख्य विपक्षी दल एआईएडीएमके के भीतर मची कलह खुलकर सामने आ गई। एसपी वेलुमणि और सीवी षणमुगम के नेतृत्व वाले बागी गुट ने मुख्यमंत्री विजय के समर्थन में वोट करने का ऐलान कर दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, एआईएडीएमके के 47 में से करीब 30 विधायकों ने पार्टी नेतृत्व से बगावत की, जिनमें से कम से कम 25 विधायकों ने सरकार के पक्ष में मतदान किया। दूसरी ओर, भाजपा और पीएमके ने इस मतदान प्रक्रिया से दूरी बनाए रखी। विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान वीसीके विधायक वन्नी अरसु ने नई सरकार के सामने कई महत्वपूर्ण नीतिगत मांगें रखीं। उन्होंने तमिलनाडु के तर्कवादी राजनीतिक इतिहास का हवाला देते हुए अंधविश्वास और ज्योतिष जैसी प्रथाओं के खिलाफ सख्त कानून बनाने की वकालत की। इसके अलावा, उन्होंने श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों की बार-बार होने वाली गिरफ्तारियों के मुद्दे पर चिंता जताते हुए सरकार से कूटनीतिक समाधान निकालने का आग्रह किया। वन्नी अरसु ने यह भी अपील की कि पिछली सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाएं, विशेषकर स्कूली छात्रों के लिए ब्रेकफास्ट स्कीम, निरंतर जारी रहनी चाहिए। यह फ्लोर टेस्ट मुख्यमंत्री विजय के लिए एक बड़ी अग्निपरीक्षा थी, क्योंकि चुनाव परिणामों के बाद उनकी पार्टी बहुमत के जादूई आंकड़े से थोड़ा पीछे रह गई थी। गठबंधन सहयोगियों और विपक्षी खेमे में हुई सेंधमारी के बाद अब विजय सरकार न केवल स्थिर नजर आ रही है, बल्कि इस जीत ने एआईएडीएमके के भीतर नेतृत्व के संकट को और भी गहरा कर दिया है। सदन की इस कार्यवाही ने स्पष्ट कर दिया है कि नई सरकार को गठबंधन के भीतर और बाहर से भी व्यापक राजनीतिक समर्थन प्राप्त है।

पीएम मोदी की अपील मानने को तैयार नहीं सांसद महतो

ईंधन की बचत वाली मुहिम को दिखाया ठेंगा

धनवाद ● एजेंसी

खाड़ी देशों से पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बाधित होने और विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ते दबाव को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से ईंधन की खपत कम करने की विशेष अपील की है। प्रधानमंत्री ने नेताओं और मंत्रियों से भी आग्रह किया है कि वे अपने काफिले में वाहनों की संख्या कम करें ताकि राष्ट्रीय स्तर पर संसाधन बचाए जा सकें। इस अपील के बाद जहां कई भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने अपने काफिले छोटे किए हैं, वहीं धनबाद में इसे लेकर अलग प्रतिक्रिया सामने आई है। धनबाद के सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने प्रधानमंत्री की पहल का पुरजोर समर्थन किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे स्वयं अपने काफिले में वाहनों की संख्या घटाकर इस बचत मुहिम का हिस्सा बनेंगे। हालांकि, इसी दौरान उनके बगल में बैठे धनबाद के भाजपा सांसद ढुलू महतो ने इस मुद्दे पर अपनी गंभीर सुरक्षा चुनौतियों का हवाला दिया। गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने ढुलू महतो की सुरक्षा संवेदनशीलता को देखते हुए उन्हें पहले ही वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है, जिसमें सीआरपीएफ के जवान तैनात रहते हैं। अब उनके इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छिड़ गई है। जहां एक पक्ष इसे एक जनप्रतिनिधि की वास्तविक सुरक्षा चिंता मान रहा है, वहीं दूसरा पक्ष इसे सरकार की बचत अपील के विपरीत देख रहा है। बहरहाल, अंतरराष्ट्रीय संकट के बीच शुरू हुई यह ईंधन बचत मुहिम अब सुरक्षा और राष्ट्रहित के बीच एक नई बहस का केंद्र बन गई है।तो माफिया हमला कर देंगे जब सांसद ढुलू महतो से काफिला कम करने को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने सुरक्षा की मजबूरी बताते हुए कहा कि यदि उन्होंने वाहनों और सुरक्षाकर्मियों की संख्या घटाई, तो माफिया उन पर हमला कर सकते हैं। महतो ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें धनबाद के रसूखदार माफिया घरानों से लगातार जान का खतरा बना रहता है और मौका मिलते ही उनकी हत्या की साजिश रची जा सकती है। उन्होंने तर्क दिया कि धनबाद जैसे संवेदनशील और अपराध प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा कारणों से काफिले के साथ चलना उनके लिए विलासिता नहीं, बल्कि जरूरत है।

नीट-2026 पेपर लीकः 2 भाइयों ने 30 लाख में डॉक्टर से खरीदा था पेपर

जयपुर। राजस्थान के सीकर से जुड़े नीट-2026 पेपर लीक मामले की जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, पेपर लीक का यह नेटवर्क हरियाणा, राजस्थान और उत्तराखंड तक फैला हुआ था, जहाँ परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्रों का सौदा लाखों रुपये में किया गया। इस सिंडिकेट ने न केवल डिजिटल माध्यमों का सहारा लिया, बल्कि कोचिंग सेंटरों के नेटवर्क का भी इस्तेमाल किया। जांच में खुलासा हुआ है कि जमवारामगढ़ निवासी दो भाइयों, मांगीलाल बिवाल और दिनेश बिवाल ने गुरुग्राम के एक डॉक्टर से करीब 30 लाख रुपये में कथित तौर पर पेपर खरीदा था। यह सौदा 26 और 27 अप्रैल को हुआ, जिसके बाद यह पेपर सीकर में तैयारी कर रहे छात्रों और अन्य अभिभावकों तक पहुँचाया गया। हैरानी की बात यह है कि आरोपी दिनेश बिवाल के परिवार के चार बच्चों का चयन पिछले साल भी नीट में हुआ था, जिससे इस पूरे गिरोह की सक्रियता पर पुराने संदेह भी गहरा गए हैं।

सोने के बहाने डॉलर की अकड़ कम करना हो सकता है पीएम का दांव

नई दिल्ली ● एजेंसी

चौक-चौराहों से लेकर सोशल मीडिया तक, इन दिनों हर तरफ एक ही सवाल गूंज रहा है कि आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से सोना खरीदने और विदेश घूमने से मना क्यों किया? दरअसल, मौजूदा समय में पश्चिम-एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें 75 डॉलर से उछलकर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। चूंकि भारत अपनी जरूरत का 85प्रतिशत से ज्यादा तेल आयात करता है और इसका भुगतान डॉलर में करना पड़ता है, इसलिए तेल खरीदना अब देश के लिए बहुत महंगा सौदा साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री जानते हैं कि तेल अनिवार्य है क्योंकि ट्रक चलेंगे तभी अनाज पहुंचेगा और फैक्ट्रियां चलेंगी तभी अर्थव्यवस्था की पहिया घूमेगा। इसलिए उन्होंने उन चीजों पर कटौती की अपील की है जिन्हें टाला जा सकता है, जैसे सोना और पर्यटन। प्रधानमंत्री ने लगातार दो दिनों तक जनता से अगले एक साल के लिए सोने से दूरी बनाने, पेट्रोल-डीजल और खाद्य तेल की खपत कम करने के साथ-साथ विदेश यात्राओं को फिलहाल टालने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री के इस बयान के अब गहरे आर्थिक और रणनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। असल में, यह पूरी कवायद भारत के विदेशी मुद्रा भंडार और रुपये की गिरती कीमत को संभालने की एक बड़ी कोशिश है। भारत में सोने का मोह जगजाहिर है। आंकड़ों के अनुसार, वित्त-वर्ष 2025-26 के दौरान भारत ने करीब 6,11,830 करोड़ रुपये का 721 टन से अधिक सोना आयात किया। औसतन भारत हर घंटे 82 किलो सोना विदेशों से खरीदता है। जब हम इतनी भारी मात्रा में सोना या अन्य विलासिता की चीजें खरीदते हैं, तो बाजार में डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। वर्तमान में रुपया डॉलर के मुकाबले 95 के स्तर को पार कर चुका है। यदि यह गिरावट जारी रही, तो डॉलर 100 रुपये तक पहुंच सकता है, जिससे देश में भीषण महंगाई का खतरा पैदा हो जाएगा। प्रधानमंत्री की यह अपील करेंट अकाउंट डेफिसिट को काबू में रखने और डॉलर पर भारत की निर्भरता कम करने के लिए है। वर्क-फ्रॉम-होम और कारपूलिंग जैसी सलाहों के पीछे का मकसद भी यही है कि इंटरनेट का उपयोग कर पेट्रोल-डीजल की खपत घटाई जाए, जिससे विदेशी मुद्रा की बचत हो सके।

अटल इच्छाशक्ति का प्रतीक पोखरण परमाणु परीक्षण

नई दिल्ली ● एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए 1998 में हुए पोखरण परमाणु परीक्षणों को याद किया। उन्होंने कहा कि इन परीक्षणों ने दुनिया को भारत की अटल इच्छाशक्ति से अवगत कराया और यह साबित किया कि दबाव के बावजूद भारत अपनी संप्रभुता से कोई समझौता नहीं करता। प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा, 1998 में इसी दिन भारत ने जो परमाणु परीक्षण किए थे, उनसे दुनिया को पता चला कि हमारे देश की इच्छाशक्ति कितनी अटल है! 11 मई के टेस्ट के बाद पूरी दुनिया का दबाव भारत पर था, लेकिन हमने दिखाया कि कोई भी ताकत भारत को झुका नहीं सकती। उन्होंने एक संस्कृत श्लोक भी साझा किया: एवं परस्परापेक्षा शक्तिशक्तिमतोः स्थिता। न शिवेन विना शक्तिर्न शक्त्या विना शिवः।।इस श्लोक का अर्थ समझाते हुए उन्होंने कहा कि शक्ति और सामर्थ्य एक-दूसरे के पूरक होते हैं। केवल क्षमता होना पर्याप्त नहीं, उसे कार्यरूप देने वाली शक्ति भी आवश्यक है, और शक्ति भी तभी सार्थक होती है जब उसके पीछे समर्थ आधार हो। जैसे शिव और शक्ति का अस्तित्व परस्पर अविभाज्य माना गया है, वैसे ही सामर्थ्य और ऊर्जा के समन्वय से ही सृजन, प्रगति और सफलता संभव होती है। गौरतलब है कि 13 मई 1998 का दिन भी भारत के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी दिन राजस्थान के पोखरण में ऑपरेशन शक्ति के तहत भारत ने दो और सफल परमाणु परीक्षण किए थे, जिन्हें शक्ति-4 और शक्ति-5 नाम दिया गया था। ये परीक्षण 11 मई 1998 को हुए पहले तीन परीक्षणों की श्रृंखला का ही आगे का हिस्सा थे, जिन्होंने देश की सामरिक क्षमताओं को एक नई ऊंचाई दी। इन परीक्षणों का मुख्य उद्देश्य भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता को और मजबूत करना था। यह भी बताया गया कि सभी परीक्षण भूमिगत और पूरी तरह नियंत्रित थे, जिससे किसी भी तरह की रेडियोएक्टिविटी बाहर नहीं फैली। इन सफल अभियानों से मिले आंकड़ों का उपयोग कंप्यूटर सिमुलेशन और भविष्य की परमाणु तकनीक को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण साबित हुआ। इस पूरे साहसिक अभियान का नेतृत्व तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने किया था।

बॉटम

एनडीए सरकार की वापसी, ए. नमशिवायम और मल्लाडी कृष्णा राव ने भी ली मंत्री पद की शपथ

एन. रंगासामी ने पांचवीं बार संभाली पुडुचेरी की कमान

पुडुचेरी ● एजेंसी

पुडुचेरी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने एक बार फिर सत्ता में वापसी करते हुए नई सरकार का गठन कर लिया है। अनुभवी नेता और ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस (एआईएनआरसी) के संस्थापक एन. रंगासामी ने बुधवार को लगातार दूसरी बार और कुल पांचवीं बार पुडुचेरी के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राजनिवास में आयोजित भव्य समारोह में उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री रंगासामी के साथ एआईएनआरसी के वरिष्ठ नेता मल्लाडी कृष्णा राव तथा भाजपा नेता ए. नमशिवायम ने भी मंत्री पद की शपथ ग्रहण की। समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और पार्टी के वरिष्ठ नेता बी.एल. संतोष सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री एन. रंगासामी ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनने पर अत्यंत खुशी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार राज्य के विकास और जनता की भलाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। उन्होंने कहा कि सरकार प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाने, नई विकास योजनाएं लागू करने और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में काम करेगी। साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि मंत्रिमंडल का जल्द विस्तार किया जाएगा। हाल ही में संपन्न हुए 2026 के पुडुचेरी विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 में से 17 सीटों पर जीत हासिल की। इसके साथ ही गठबंधन ने लगातार दूसरी बार सरकार बनाने में सफलता प्राप्त की। एआईएनआरसी 12 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि भाजपा ने भी गठबंधन को मजबूती प्रदान की। वहीं विपक्षी कांग्रेस-डीएमके गठबंधन को कुल छह सीटों पर संतोष करना पड़ा। कांग्रेस को एक और डीएमके को पांच सीटें मिलीं। अभिनेता जोसेफ विजय के नेतृत्व वाले टीवीके-नेयम मक्कल कझगम गठबंधन ने तीन सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि तीन सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों के खाते में गईं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- नितिन श्रीवास द्वारा पंकज प्रीटर्स एंड पेकिंजिंग, ए-16, एल्फा पार्क, सांवेर रोड,एल्फा इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित 1054-एल, यूनियन बैंक, स्कीम नं. 114 इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- नितिन श्रीवास, आर.एन.आई. नंबर - एमपीएचआईएन/20ए3002 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)